PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 26 ● भिलाई, बुधवार 12 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

जियो पारसी योजना से पारसी समुदाय को चिकित्सा, बाल एवं बुजुर्ग देखभाल में मदद

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की जियो पारसी योजना पारसी समुदाय को चिकित्सा सहायता के साथ-साथ बाल देखभाल और बुजुर्गों की देखभाल जैसी सुविधाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। केंद्र सरकार के अनुसार, योजना के तहत अब तक बड़ी संख्या में पारसी समुदाय के लोगों को चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता उपलब्ध कराई गई है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 में जियो पारसी योजना शुरू होने से अब तक चिकित्सा घटक के तहत बांझपन, गर्भधारण, प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल के उपचार के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संचयी संख्या 582 है।

राष्ट्रीय युवा संसद योजना का उन्नत संस्करण एनवाईपीएस 2.0 देशभर के नागरिकों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए खुला

नई दिल्ली । संसदीय कार्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय युवा संसद योजना (एनवाईपीएस) के वेब पोर्टल का उन्नत संस्करण एनवाईपीएस 2.0 शुरू किया है। इसका उद्देश्य युवा संसद योजना की पहुंच को व्यापक बनाना और देशभर के अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थानों, समूहों तथा नागरिकों को संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली से जोड़ना है। संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने सोमवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनवाईपीएस 2.0 की शुरुआत 11 सितंबर 2024 को की गई थी। इसके पहले वाला पोर्टल केवल मान्यता प्राप्त संस्थानों के छात्रों तक सीमित था, जबकि नया संस्करण देशभर के सभी शैक्षणिक संस्थानों, समूहों और नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया गया है। मंत्रालय के अनुसार, 11 सितंबर 2024 से 21 जुलाई 2026 तक एनवाईपीएस 2.0 के माध्यम से संस्थागत, समूह और व्यक्तिगत श्रेणियों में कुल 1,03,791 नागरिकों एवं छात्रों ने भागीदारी की।

ओडिशा की अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए नेतृत्व और क्षमता निर्माण के अवसर

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने ओडिशा सहित देशभर की अल्पसंख्यक महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए नेतृत्व विकास और क्षमता निर्माण से जुड़ी विभिन्न पहलें लागू की हैं। सरकार का जोर महिलाओं को कौशल, नेतृत्व, उद्यमिता और सरकारी एवं वित्तीय संस्थानों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए आवश्यक ज्ञान और साधन उपलब्ध कराने पर है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्रालय की पूर्ववर्ती योजनाओं के तहत 'अल्पसंख्यक महिलाओं का नेतृत्व विकास' (नई रोशनी) योजना लागू की गई थी।

राहुल और सोरेन सरकार पर बोला हमला

रांची में एनडीए का हल्ला बोल-सड़क पर उतरे बीजेपी कार्यकर्ता

नई दिल्ली/ एजेंसी

एनडीए नेताओं ने मंगलवार को झारखंड में चल रहे छात्र विरोध प्रदर्शन को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों ने भर्ती परीक्षा और अपने भविष्य से जुड़े मुद्दों पर कार्रवाई की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अंधाधुंध बल प्रयोग किया। भाजपा के छात्र संगठन ने राजधानी रांची में कई जगह विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी.आर. केसवन ने झारखंड सरकार की तुलना इमरजेंसी के दौर की कांग्रेस सरकार से की और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अपने गठबंधन सहयोगी को जवाबदेह ठहराने में विफल रहने का आरोप लगाया। केसवन ने कहा, झारखंड में बेरहम कांग्रेस-जेएमएम शासन इंदिरा गांधी की क्रूर इमरजेंसी की हूबहू नकल है और राहुल गांधी एक कमजोर इरादों वाले अवसरवादी नेता हैं, जिनमें झारखंड में अपनी ही सरकार को जवाबदेह ठहराने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी चिंताओं को उठाने के लिए छात्रों का उत्पीड़न और दमन किया जा रहा है और विरोध प्रदर्शनों के दौरान लाठी और आंसू गैस के इस्तेमाल की निंदा की। केसवन ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफबल प्रयोग की राहुल गांधी की आलोचना पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि उनकी टिप्पणी के बावजूद झारखंड सरकार ने उसी रात बाद में छात्रों पर लाठीचार्ज क्यों किया।

उन्होंने कहा, यह बिल्कुल साफ है कि कोई भी यहां तक कि उनके सहयोगी भी राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेते हैं और उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि वह क्या कहते हैं। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने भी हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि ये विरोध प्रदर्शन रोजगार के अवसरों और भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर छात्रों के बीच बढ़ती असुरक्षा को दर्शाते हैं। राजीव रंजन ने कहा, अब हेमंत सोरेन सरकार पूरी तरह से बेनकाब हो गई है। छात्रों ने बार-बार यह आरोप लगाया है कि सरकारी नौकरियां पैसे या राजनीतिक प्रभाव से हासिल की जा रही हैं। अपने भविष्य को लेकर चिंतित आम छात्र इसलिए रांची की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। झारखंड में 'विधानसभा घेराव' मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर जदयू के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने कहा, एक तरफतो हेमंत सोरेन छात्रों से बातचीत करते हैं और दूसरी तरफउन पर लाठीचार्ज किया जाता है। ये दोनों चीजें एक साथ नहीं चल सकतीं। भारतीय जनता पार्टी ने इसके विरोध में आज 'भारत बंद' का आह्वान किया है, जो एक कार्यक्रम है। ऐसे कार्यक्रम के साथ-साथ छात्रों की समस्याओं का समाधान खोजने की भी कोशिश होनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को साथ आकर इन मुद्दों को सुलझाने के लिए आगे की राह तय करनी चाहिए।

गोलपोस्ट बदलना बंद करें राहुल गांधी, झारखंड मुद्दे पर संसद में मचा घमासान

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को राहुल गांधी के झूठ और झारखंड में छात्र आंदोलन पर उनकी चुप्पी को लेकर पलटवार किया और राहुल गांधी को चुनौती दी कि गृह मंत्री सदन में हर सवाल का जवाब देने को तैयार है, भागना मत। देर शाम मीडिया से बात करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी संसद को बाधित कर रहे हैं और देश के नैरेटिव में हर दिन अपना गोलपोस्ट बेंज कर रहे हैं। उनका उद्देश्य संवाद करना नहीं है, बल्कि अराजकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि पहले राहुल गांधी ने संसद शुरू होते समय नीट पर चर्चा मांगी। जब सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार हुई, तो वह राम मंदिर न्यास का विषय उठाकर ले आए।

गलत निर्णय के लिए एआई मॉडल को दोष न दें

मानवीय निगरानी जरूरी है आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को बैंकों से कहा कि वे कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित मॉडल विकसित करते समय फैसलों की प्रक्रिया में सार्थक मानवीय निगरानी को अनिवार्य सिद्धांत के रूप में शामिल करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई उपकरणों से हुई गलतियों के लिए केवल प्रौद्योगिकी को जिम्मेदार ठहराना नियामक को स्वीकार्य नहीं होगा। यहां उद्योग मंडल फिक्की और आईबीए (भारतीय बैंक संघ) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने कहा कि एआई का इस्तेमाल मानवीय निर्णय क्षमता का

स्थान लेने के बजाय उसे बेहतर बनाने के लिए किया जाना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पर एआई के प्रभाव को लेकर व्यापक चिंताएं जताई जा रही हैं।

फरवरी के बाद पहला हूती हमला माना जा रहा

बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य में कार्गो जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला,तीन क्रू मेंबर की मौत..

यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य में एक डेक कार्गो शिप पर हमला किया, जिसमें कम से कम तीन क्रू सदस्यों की मौत हो गई। यह जानकारी यमन तटरक्षक बल के दो सूत्रों और सरकार के दो सैन्य अधिकारियों ने दी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यमनी सूत्रों ने बताया कि इस हमले में दो पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक की जान गई है। यह जहाज ओमान के सलालाह से जिबूती होते हुए यात्रा कर रहा था। हालांकि हूती विद्रोहियों ने अभी तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। अगर इस हमले की पुष्टि हो जाती है, तो तंजानिया के झंडे वाले जहाज तिहामाह पर हुआ यह हमला फरवरी के अंत में अमेरिका-इजरायल के ईरान पर हमलों से शुरू हुए मध्य-पूर्व संघर्ष के बाद से हूती विद्रोहियों का पहला हमला होगा। यह घटना उस घटनाक्रम के करीब एक महीने बाद सामने आई है, जब हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब के खिलाफ एक नौसैनिक नाकाबंदी का ऐलान किया था। हूती विद्रोहियों ने इसे उस कथितसऊदी घेराबंदी का जवाब बताया था, जिसका उन्होंने

आरोप लगाया था। हालांकि रॉयटर्स के मुताबिक, रियाद ने यमन को घेरने की बात से साफ इनकार किया है। बाब अल-मंडब, जिसे इसकी खतरनाक नौवहन परिस्थितियों के चलतेआंसुओं का द्वार भी कहा जाता है, हाल के समय में एक अहम मुद्दा बनकर उभरा है, खासकर तब जब होर्मुज जलडमरूमध्य पहले से ही बंद है। ईरान समर्थित यमनी लड़ाकू समूह हूती ने कई बार बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजी यातायात को बाधित करने की धमकी दी है। इसी जलमार्ग से वैश्विक व्यापार का करीब 12 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। Kpler के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले हफ्ते औसतन प्रतिदिन 32 जहाज बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य से गुजरे। रॉयटर्स के अनुसार, नाकाबंदी से पहले यहां से रोजाना औसतन 50 जहाज गुजरा करते थे।

मनमोहन सिंह को कोल ब्लॉक केस में क्लीन चिट

इतिहास उन्हें अच्छे शब्दों में याद रखेगा-सोनिया गांधी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को कहा कि इतिहास निश्चित रूप से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को एक शांत, सौम्य और एक बेहद अहम प्रधानमंत्री के तौर पर अच्छे शब्दों में याद रखेगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले पूर्व प्रधानमंत्री को क्लिन चीट दिए जाने के फैसले पर यह टिप्पणी की। इंडियन एक्सप्रेस में लिखे एक कॉलम में सोनिया गांधी ने कहा, इतिहास निश्चित रूप से डॉ. मनमोहन सिंह को अच्छे नजरिए से याद

रखेगा। 29 जुलाई, 2026 की तारीख हमारे हालिया राजनीतिक इतिहास में एक अहम लेकिन नजरअंदाज किया गया दिन था। एक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने कथित 'कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले' में डॉ. मनमोहन सिंह को सीबीआई से मिली क्लीन चिट को सही ठहराया। इससे भी अहम बात यह है कि कोर्ट ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने और बिना किसी 'ठोस वजह' के पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी करने के लिए ट्रायल कोर्ट को फटकार लगाई। सोनिया गांधी ने आगे लिखा कि उनके खिलाफ लॉबी सुनियोजित और संगठित थी। उन्होंने लिखा,इस फैसले से हमारे सार्वजनिक विमर्श के सबसे दुखद अध्यायों में से एक (डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान) का अंत हो गया है।

निर्यात दायित्व मुक्ति प्रमाणपत्र के लिए भौतिक चालान की अनिवार्यता खत्म

नई दिल्ली। निर्यातकों के लिए व्यापार सुगमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय डीजीएफटी ने अग्रिम प्राधिकरण और निर्यात संवर्धन पूंजीगत वस्तु ईपीसीजी योजनाओं के तहत निर्यात दायित्व मुक्ति प्रमाणपत्र ईओडीसी के लिए आवेदन करते समय भौतिक शुल्क भुगतान चालान जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। यह व्यवस्था 1 अगस्त 2026 या उसके बाद किए गए स्वैच्छिक सीमा शुल्क भुगतानों पर लागू होगी। अब निर्यातकों को संबंधित प्राधिकरण को बंद करने के आवेदन के साथ भुगतान का भौतिक चालान जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस पर जमकर हमला किया

राहुल गांधी सिर्फ घड़ियाली आंसू बहाना जानते हैं-प्रधान

नई दिल्ली/ एजेंसी

भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल छात्रों के हितों को लेकर आवाज उठाने का दिखावा कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी के पास कोई तथ्य नहीं है, वो बस अपना झूठ फैलाकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि, छात्रों के हितों को लेकर कांग्रेस लगातार झूठ

फैला रही है। राहुल गांधी के पास तथ्य नहीं है। आदतन झूठ बोलने वाले नेता प्रतिपक्ष को न संसद में आना है और न जवाब सुनना है। इन्हें तो बस अपना झूठ फैलाकर घड़ियाली आंसू बहाना है। धर्मेंद्र प्रधान ने आगे कहा, गृहमंत्री अमित शाह पर बेवजह बिना किसी तथ्य के झूठे आरोप लगाना राहुल गांधी और कांग्रेस की राजनीतिक हताशा को दिखाता है। सरकार हर मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है, मगर कांग्रेस लोकतंत्र के मंदिर 'संसद भवन' को बाधित कर देश और युवाओं के हितों को कुचलने का काम कर रही है, क्योंकि इनकी मंशा देशहित नहीं, स्वयं के हितों को पहले प्राथमिकता देने की है। जब सदन में चर्चा होती है तो ये लोग बाहर हंगामा करते हैं, क्योंकि सदन में जवाब सुनने की इतनी क्षमता नहीं है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, कांग्रेस का लोकतंत्र भी 'सेलेक्टिव' है।

नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़

3.75 लाख की उधारी के बदले थमाए 4.50 लाख के जाली नोट

- तीन आरोपी गिरफ्तार 12.50 लाख की नकली करेंसी बरामद

कवर्धा। संवाददाता

कबीरधाम पुलिस ने नकली नोट तैयार कर बाजार में खपाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। थाना बोड़ला, चौकी पोंडी और साइबर टीम की संयुक्त कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर कुल 12 लाख 50 हजार रुपए के नकली नोट, कलर प्रिंटर, मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल टाटा पंच ईवी कार बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी जुलाई 2026 से कलर प्रिंटर के जरिए नकली नोट तैयार कर रहे थे। इसके बाद इन नकली नोटों को असली रकम के तौर पर चलाने की कोशिश की जा रही थी। मामले का खुलासा तब हुआ, जब ग्राम कमराखोल निवासी दिनेश कुमार यादव ने चौकी पोंडी में शिकायत दर्ज कराई। दिनेश कुमार ने बताया कि उसने अप्रैल 2026 में घुरवा राम को 3 लाख 75 हजार रुपये उधार दिए थे। उधारी की रकम वापस मांगने पर घुरवा राम ने रकम लौटाने का भरोसा दिया। 9 अगस्त 2026 को घुरवा राम ने बताया कि सतीश कुमार के माध्यम से रकम भेजी जा रही है और दिनेश कुमार को ग्राम पोंडी स्थित शराब भट्टी के पास बुलाया गया। रात करीब 9 बजे दिनेश कुमार अपने परिचित कैलाश चंद्रवंशी के साथ मौके पर पहुंचा। वहां

सतीश कुमार और उसके एक साथी ने काले रंग के बैग में रकम दी। जब रकम की जांच की गई तो नोट संदिग्ध नजर आए। बैग खोलकर देखने पर उसमें 500-500 रुपये के कुल 4 लाख 50 हजार रुपये के नकली नोट मिले। इसके बाद 10 अगस्त को दिनेश कुमार ने चौकी पोंडी में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने सतीश कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने रामप्रसाद उर्फरमऊ और घुरवा राम के साथ मिलकर नकली नोट तैयार करने और उन्हें खपाने की बात स्वीकार की। सतीश से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रामप्रसाद उर्फ रमऊ और घुरवा राम को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने जुलाई 2026 से नकली नोट बनाने का काम शुरू किया था। इसके लिए रामप्रसाद उर्फरमऊ ने नए बस स्टैंड के पास किराए पर कमरा लिया था। इसी कमरे में कलर प्रिंटर की मदद से नकली नोट तैयार किए जाते थे। पुलिस के अनुसार 13 जुलाई को रामप्रसाद और सतीश कुमार ने कलर प्रिंटर खरीदा था। इसके बाद रामप्रसाद ने किराए का कमरा लिया, जहां रामप्रसाद और घुरवा राम नकली नोट तैयार करते थे। तैयार नकली नोटों को सतीश कुमार और रामप्रसाद मिलकर आगे पहुंचाने का काम करते थे।

संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जानकारी तुरंत पुलिस को दें

कबीरधाम पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध नोट को स्वीकार करने से पहले उसकी अच्छी तरह जांच करें। संदिग्ध नकली नोट अथवा किसी संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जानकारी मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या चौकी को सूचित करें। पूरी कार्रवाई में साइबर थाना कबीरधाम के निरीक्षक उमाशंकर राठौर, थाना बोड़ला चौकी पोंडी प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मीनारायण साव, साउनि चंद्रकांत तिवारी, आशीष सिंह, संजीव तिवारी, प्रधान आरक्षक चुम्मन साहू, अभिनव तिवारी, ओम प्रकाश पटेल, खूबी साहू, आरक्षक संदीप शुक्ला, गज्जू ठाकुर, पूरन दास ठाहिरे, देवेंद्र चतुर्वेदी, सोमेंद्र शर्मा और सतखोजन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रकृति की गोद में शिव भक्ति का अनूठा दृश्य, झरने के जल से हुआ महादेव का अभिषेक

मानव श्रृंखला बनाकर युवाओं ने किया भगवान शिव का जलाभिषेक, सावन झूला महोत्सव में भी दिखा उत्साह

हर-हर महादेव से गूंजा सिया देवी, झरने के पानी से शिवलिंग पर चढ़ाई जलधारा

बालोद। सावन के पावन महीने में जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल सिया देवी मंदिर में रविवार को भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। धमतरी जिला माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में माहेश्वरी युवा संगठन करहीभदर की मेजबानी में भगवान शिव का सहस्त्र जलधारा अभिषेक किया गया। इस दौरान झरने के बहते जल से मानव श्रृंखला बनाकर करीब एक घंटे तक भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा सिया देवी मंदिर परिसर शिवमय हो उठा। सावन माह के मद्देनजर धमतरी जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सावन महोत्सव एवं भगवान शिव के विशेष अभिषेक का आयोजन करने का निर्णय लिया गया था।

इसी कड़ी में कार्यक्रम को करहीभदर माहेश्वरी युवा संगठन के सहयोग से सिया देवी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के युवा, महिलाएं और वरिष्ठजन बड़ी संख्या में शामिल हुए।

सावन झूला महोत्सव ने बढ़ाई कार्यक्रम की रौनक

कार्यक्रम के दौरान महिला मंडल द्वारा सावन झूला महोत्सव का भी आयोजन किया गया। महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीतों और उत्सवी माहौल के बीच झूला महोत्सव का आनंद लिया। धार्मिक अनुष्ठान के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों ने आयोजन को और खास बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना के बाद समाजजनों ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में करहीभदर के साथ धमतरी, गुरूर, कुरूद, अभनपुर, कांकेर, भानुप्रतापपुर, लखनपुरी और राजिम सहित विभिन्न क्षेत्रों से माहेश्वरी समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं महिलाएं शामिल हुए। कार्यक्रम में धमतरी जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष आनंद द्वारकानी, महामंत्री विजय राठी, महिला जिला अध्यक्ष प्रीति केला, युवा संगठन जिला अध्यक्ष प्रतीक केला, महामंत्री गिरीश माहेश्वरी, संगठन मंत्री ऋषभ भूताड़ा, सांस्कृतिक मंत्री सौरभ गांधी, युवा संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेश गांधी, प्रादेशिक युवा संगठन के निवृत मान महामंत्री राहुल राठी, प्रादेशिक युवा संगठन के सहमंत्री प्रतीक भट्टर, प्रादेशिक मीडिया प्रभारी राहुल भूताड़ा, युवा संगठन के प्रमुख भावेश टावरी, गोविंद गांधी, ललित गांधी, आयुष माहेश्वरी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। दुर्ग से मुकेश राठी सहित करहीभदर माहेश्वरी समाज से कमला माहेश्वरी, नारायण राठी, श्याम राठी, हरीश सोनी, रजनीश गांधी, पुरुषोत्तम भूताड़ा, महेंद्र राठी, किशन गांधी, तुषार गांधी, ललित राठी, लक्की गांधी, यश गांधी, अंजू गांधी, मंजू गांधी, तुलसी गांधी, कंचन गांधी, मोना राठी, पूजा राठी, मीना गांधी, श्वेता सोनी, मीना भूताड़ा, पदमा भूताड़ा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सावन के पवित्र महीने में प्राकृतिक झरने के जल से भगवान शिव के सहस्त्र जलधारा अभिषेक का यह आयोजन श्रद्धा, एकता और सामाजिक सहभागिता का विशेष उदाहरण बना। आयोजन के दौरान युवाओं की सक्रिय भागीदारी और महिलाओं के सावन उत्सव ने सिया देवी की प्राकृतिक सुंदरता के बीच धार्मिक माहौल को और भी आकर्षक बना दिया।

मानव श्रृंखला बनाकर झरने के पानी से अभिषेक

कार्यक्रम के दौरान सिया देवी मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थापित भव्य शिवलिंग की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मंदिर के समीप बह रहे प्राकृतिक झरने के पानी को बाल्टियों के माध्यम से शिवलिंग तक पहुंचाने के लिए समाज के युवाओं ने मानव श्रृंखला बनाई। एक-दूसरे से जुड़कर युवाओं ने झरने से जल लेकर शिवलिंग तक पहुंचाया और लगातार करीब एक घंटे तक सहस्त्र जलधारा अभिषेक किया। इस अनूठे आयोजन में माहेश्वरी समाज के युवाओं का उत्साह देखते ही बना। पूरे परिसर में भगवान शिव के जयकारे और मंत्रोच्चार गूंजते रहे। धार्मिक विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के बीच हुए अभिषेक से सिया देवी का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय नजर आया।

चिखला में कोदवा-मोहभट्टा मंडल कांग्रेस कमेटी की बैठक मे शामिल हुएः आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। बेरला ब्लॉक के कोदवा-मोहभट्ठा मंडल कांग्रेस कमेटी अंतर्गत ग्राम पंचायत चिखला में बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा अध्यक्ष आशीष छाबड़ा प्रमुख रूप से शामिल हुए। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक विषयों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कांग्रेस संगठन को गांव-गांव एवं बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा आमजन की आवाज को मजबूती के साथ उठाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर आशीष छाबड़ा ने कहा कि कांग्रेस संगठन की वास्तविक ताकत हमारे समर्पित कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत, संघर्ष और समर्पण के बल पर संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता आमजन के सुख-दुःख में सहभागी बने और क्षेत्र की समस्याओं को अपनी समस्या समझकर उनके निराकरण के लिए पूरी मजबूती से संघर्ष करे। उन्होंने कहा कि गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय एवं मजबूत बनाना हमारी प्राथमिकता है। जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुनना और उन्हें उचित मंच पर उठाना कांग्रेस संगठन की जिम्मेदारी है। जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस कार्यकर्ता सदैव जनता के साथ खड़े रहेंगे। बैठक में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान, हर घर तक पहुंचे राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान : जसविंदर बग्गा

कवर्धा। बोड़ला के हिन्दू संगम स्थल में भाजपा बोड़ला मंडल की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं मंडल प्रभारी जसविंदर बग्गा ने 'हर घर तिरंगा अभियान' एवं 'तिरंगा यात्रा' को लेकर कार्यकर्ताओं को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य आजादी के गौरव और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान को घर-घर तक पहुंचाना है। कार्यकर्ताओं से विमर्श करते हुए जसविंदर बग्गा ने कहा कि हर घर पर तिरंगा फहराकर हम उन वीर शहीदों को नमन करते हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव और गली-गली पहुंचकर नागरिकों को तिरंगा वितरित करेंगे और उन्हें अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान से देशवासियों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। बग्गा ने बताया कि इस वर्ष भी 11 से 15 अगस्त 2026 तक 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत व्यापक जनजागरण कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस दौरान घरों, प्रतिष्ठानों और कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया जाएगा। युवाओं एवं विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। भाजपा के नेता विदेशी धुर्वे ने कहा कि तिरंगा शांति और सदभाव का प्रतीक है। तिरंगे के माध्यम से देश के बलिदानी क्रांतिकारियों और महापुरुषों को याद करते हुए नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जागृत करने का कार्य किया जाएगा। मंडल भाजपा अध्यक्ष मोहन धुर्वे ने कहा कि अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाकर सफल बनाना है। भाजपा कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ और गांव में पहुंचकर लोगों को अभियान से जोड़ेंगे तथा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक करेंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रभाव के जागरण और तिरंगे के सम्मान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को बोड़ला नगर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा दोपहर 1 बजे प्रारंभ होगी। इसमें बोड़ला मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आम नागरिक, व्यापारी, किसान, विद्यार्थी, खिलाड़ी और राष्ट्रप्रेमी नागरिक शामिल होंगे। कार्यशाला में कार्यकर्ताओं ने 'हर घर तिरंगा अभियान' को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यशाला के दौरान स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों और अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने को लेकर भी चर्चा की गई।

अक्षांश कश्यप का राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में लगातार दूसरी बार चयन, बने उपकप्तान

बलौदाबाजार। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय लवन के अंडर-14 वर्ग के प्रतिभावान छात्र अक्षांश कश्यप का राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए लगातार दूसरी बार चयन हुआ है। इस बार अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अक्षांश को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान (वाइस कैप्टन) के रूप में चयनित किया गया है। ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ के जवाहर नवोदय विद्यालयों के अंडर-14 वर्ग के खिलाड़ियों का चयन ट्रायल छत्तीसगढ़ के सरायपाली में आयोजित किया गया। दोनों राज्यों के जवाहर नवोदय विद्यालयों के खिलाड़ियों में से केवल 60 चुनिंदा खिलाड़ियों का ट्रायल के लिए चयन किया गया था। सरायपाली में हुए ट्रायल मैच में अक्षांश कश्यप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जिसके आधार पर उनका राष्ट्रीय टीम के लिए उपकप्तान के रूप में चयन किया गया। गौरतलब है कि जवाहर नवोदय विद्यालय लवन से अंडर-14 वर्ग में इस चयन के लिए अक्षांश कश्यप ही एकमात्र चयनित खिलाड़ी हैं। इससे पहले वर्ष 2025 में भी अक्षांश का राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए चयन हुआ था। लगातार दूसरे सत्र में राष्ट्रीय स्तर पर चयन के साथ इस बार उपकप्तान की जिम्मेदारी मिलना उनकी खेल प्रतिभा और निरंतर मेहनत को दर्शाता है। चयनित खिलाड़ियों का आगामी दिनों में ढेंकानाल में प्रैक्टिस सेशन आयोजित किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता विशाखापत्तनम में आयोजित होगी, जहां अक्षांश राष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। अक्षांश की इस उपलब्धि से उनके पालक कपिल कश्यप एवं शालिनी कश्यप बेहद खुश और गौरवान्वित हैं। वहीं पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय लवन के प्रभारी प्राचार्य डी.के. ठाकुर, क्रीड़ा शिक्षक प्रदीप कुमार, वेद साहू, लाइब्रेरियन राजेन्द्र कुमार सिक्का, कन्नड़ शिक्षक रघु राजन सोनार व शिक्षक ज्ञान प्रकाश, कान्ति लाल पटेल एवं बलौदाबाजार मास्टर क्रिकेट अकेडमी के बलराम साहू ,सागर सक्सेना ने अक्षांश को इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अक्षांश की उपलब्धि को उनकी कड़ी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के सही मार्गदर्शन का परिणाम बताया। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों में भी अक्षांश के चयन को लेकर खुशी का माहौल है।

भंवरपुर क्लस्टर में मनाया गया 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, बुनकरों का हुआ सम्मान

भंवरपुर। जागृति बुनकर सहकारी समिति मर्यादित भंवरपुर के तत्वावधान में भंवरपुर हथकरघा क्लस्टर में 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस बुनकर दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर हथकरघा बुनकरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय योगदान देने वाले बुनकरों को सम्मानित किया गया। समारोह में जिला पंचायत सभापति देवकी दीवान, जनपद सदस्य कृष्ण कुमार पटेल, पुरुषोत्तम छत्तीसगढ़िया, भंवरपुर सरपंच कृष्ण कुमार सिदार सहित हथकरघा विभाग के सहायक संचालक एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वर्षों में राज्य स्तरीय बुनकर पुरस्कार प्राप्त करने वाले बुनकरों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। इनमें वर्ष 2007-08 में हथकरघा पर पारंपरिक एवं आधुनिक डिजाइन तैयार करने के लिए बिसाहूदास महंत पुरस्कार प्राप्त ऋषिकेश देवांगन, वर्ष 2013-14 में सूती वस्त्र उत्पादन में उत्कृष्ट डिजाइन तैयार करने के लिए दीनदयाल सर्वश्रेष्ठ बुनकर पुरस्कार प्राप्त डमरुधर देवांगन, वर्ष 2015-16 में दीनदयाल सर्वश्रेष्ठ बुनकर पुरस्कार प्राप्त मनीष देवांगन तथा वर्ष 2022-23 में हथकरघा पर उत्कृष्ट डिजाइन तैयार करने के लिए राज राजेश्वरी सर्वश्रेष्ठ बुनकर प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त श्रीपति मेहर प्रमुख रहे। अतिथियों ने सम्मानित बुनकरों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि हथकरघा हमारी पारंपरिक कला, संस्कृति एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र है। बुनकरों की मेहनत एवं हुनर को प्रोत्साहन देकर इस पारंपरिक कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर जागृति बुनकर सहकारी समिति मर्यादित भंवरपुर के अध्यक्ष रमेश देवांगन ने बुनकरों की उपलब्धियों एवं हथकरघा क्षेत्र में उनके योगदान की जानकारी दी। उन्होंने बुनकरों की विभिन्न समस्याओं से भी अतिथियों एवं विभागीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए उनके निराकरण एवं आवश्यक सहयोग की मांग रखी। कार्यक्रम में क्षेत्र के बुनकर, समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। समारोह का उद्देश्य बुनकरों के योगदान को सम्मानित करने के साथ-साथ हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देना और बुनकर समुदाय की समस्याओं को सामने लाना रहा।

जलभराव से जूझता शांति नगर, तीसरे दिन भी घरों से पंप लगाकर निकाला गया पानी

भारी बारिश से कई वार्डो मे जलभराव, प्रशासन पर उठे सवाल

भाटापारा। भारी बरिश से कई वार्डों मे हुये जलभराव कि स्थिति को देखते हुये जनप्रतिनिधिगण व प्रशासनिक अमला जलभराव के स्थिति से निपटने हेतु विचार मंथन का दौर चालू हो गया है गौरतलब है भारी बरिश से जलभराव के कारण प्रशासन को बहुत बडी आलोचनाओं का सामना करना पडा है। सबसे ज्यादा प्रभवित वार्डों मे मातादेवालय स्थित शांति नगर का रहा है जहाँ तीसरे दिन रविवार को भी जलभराव से ग्रसित लोगों के घर से पम्प लगाकर खीचा जा रहा था।

शांति नगर के घरों मे जलभराव के कारण फ्रीज टीवी कूलर भी हुये खराब

शांति नगर वार्ड मे जलभराव से ग्रसित महिला रेखा पूटान नै बताया कि जिन लोगों घर मे कमर तक पानी भर गया था अब उनके घर का फ्रीज कुल टीवी सहित अन्य इलेक्ट्रिक समान खराब हो गये है एवं घर मे रखे चावल दाल हल्दी नमक मिर्ची पानी मे बह गये। परंतु स्थानीय प्रशासन के द्वारा भोजन सेवा उपलब्ध कराये जाने से थोडी राहत है।

बरसात मे जलभराव का क्या है मूल कारण?

शासन के मास्टर प्लान के अनदेखी कर अवैध प्लाटिंग, भवन निर्माण हेतु गाईड लाईन से बाहर जाकर डायवर्सन नामांतरण व नक्शा का पास हो जाना। मिट्टी, कचरा, प्लास्टिक आदि से नालियां जाम हो जाती हैं। पुराने नाले, नालियां या पानी के बहाव के रास्ते पर निर्माण हो जाना। आसपास की ऊंची जगहों से बारिश का पानी बहकर बस्ती में जमा हो जाता है। बहुत तेज बारिश में नालियों की क्षमता से अधिक पानी आ जाता है। सड़क का लेवल नाली से नीचे/ऊपर सही तरीके से न होने पर पानी सड़क और घरों की ओर चला जाता है। भवन, सड़क या अन्य निर्माण से पानी का प्राकृतिक रास्ता बाधित हो सकता है। इससे बारिश का पानी जमा होने की जगह कम हो जाती है। निचले इलाकों में पानी निकालने के लिए पंप की व्यवस्था न होना भी बड़ा कारण हो सकता है। परंतु अब ऐसे स्थितियों से निपटने के लिये नगर मे सुनियोजित प्लानिंग कि आवश्यकता है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने फाइनेंस लैब में सीखी डिजिटल लेनदेन एवं वित्तीय प्रबंधन की बारीकियां

बलौदाबाजार। विकासखंड बलौदाबाजार के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल में जिला प्रशासन द्वारा संचालित जिला फाइनेंस लैब का भ्रमण किया। इस दौरान लैब के अनुदेशको ने डिजिटल लेनदेन, साइबर फ्रॉड, वित्तीय जोखिम, सुरक्षित निवेश आदि की सहज़ ढंग ह्रद्द जानकारी प्रदान की। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ ने जिला फाइनेंस लैब में उपलब्ध सुविधा और वित्तीय साक्षरता के लिये दी जा रही प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लैब में विभिन्न खेलों के.माध्यम से लेनदेन के तरीके को और व्यापारिक गतिविधियों को आसानी से समझा जा सकता है। जिले में अर्थशाला के माध्यम से प्रत्येक दिन अलग-अलग वर्गों के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को कक्षा 11वीं एवं 12वीं के स्कूली विद्यार्थियों, मंगलवार को महिला स्व-सहायता समूहों, बुधवार को किसानों तथा गुरुवार को महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन, निवेश, साइबर सुरक्षा और डिजिटल वित्तीय साक्षरता से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। जिला प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाना, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना तथा निवेश और वित्तीय निर्णयों के प्रति सही जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मविश्वासी बन सकें।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, इस कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

रायपुर। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन अगले महीने छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। बताया जा रहा है कि उपराष्ट्रपति 2 सितंबर को रायपुर में आयोजित एम्स के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहेंगी। एम्स निदेशक डॉ. अशोक जिंदल ने दिल्ली में उपराष्ट्रपति से मुलाकात की जिसमें उन्होंने दीक्षांत समारोह में शामिल होने की सहमति दे दी है। दो दिवसीय अंडमान और निकोबार दौरे पर है सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 8-9 अगस्त को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की यात्रा पर है। उपराष्ट्रपति ने कल 8 अगस्त को श्री विजय पुरम में सेलुलर जेल राष्ट्रीय स्मारक में शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित किया, स्वतंत्रता ज्योति पर सम्मान व्यक्त करेंगे और वीर सावरकर की सेल का दौरा किया। इसके बाद, श्री राधाकृष्णन भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा और बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को प्रदर्शित करने वाले लाइट एंड साउंड शो में भी भाग लिया। इतिहास वहीं, उपराष्ट्रपति आज 9 अगस्त को श्रीविजय पुरम में फ्लैग प्वाइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' में भाग लेंगे। इसके बाद, वे डॉ. बीआर अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीबीआरएआईटी) सभागार में राजकीय समारोह 'वंदे मातरम पर तिरंगा कॉन्सर्ट' में भी शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति दोपहर में, ऐतिहासिक नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप का दौरा करेंगे।

युवती से मारपीट कर मोबाइल लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार, सीसीटीवी से हुई पहचान

रायपुर। 'सजग कोरबासतर्क कोरबा' अभियान के तहत कोरबा पुलिस ने युवती से मारपीट कर मोबाइल लूटने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 15 हजार रुपये कीमत का ऋद्वद्मद्वद्ब मोबाइल भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, 30 मार्च 2026 की रात करीब 9:30 बजे 24 वर्षीय पूनम राय बाजार से पैदल अपने घर लौट रही थी। रेलवे क्रॉसिंग के पास अंधेरे का फायदा उठाकर एक युवक ने उसका हाथ पकड़कर मारपीट की और उसका ऋद्वद्मद्वद्ब मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया। मामले में चौकी सीएसईबी पुलिस ने अपराध क्रमांक 274/2026 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे ष्टष्टञ्ज कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और लगातार पतासाजी के आधार पर आरोपी की पहचान रामा सोरी (29), पिता बंशी सोरी, निवासी जैन मंदिर के पीछे, बुधवार बाजार, कोरबा के रूप में हुई। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बुधवार रेलवे किनारे बस्ती, चौकी सीएसईबी क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी रामा सोरी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने युवती से मारपीट कर मोबाइल लूटने की बात स्वीकार की। आरोपी के कब्जे से ऋद्वद्मद्वद्ब कंपनी का 3944 मॉडल मोबाइल फोन, जिसकी कीमत करीब 15 हजार रुपये है, बरामद कर जब्त किया गया। विवेचना के दौरान अपराध की प्रकृति के आधार पर प्रकरण में धारा 309(6) भी जोड़ी गई। आरोपी5 को 9 अगस्त को दोपहर 1:10 बजे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी के पर्यवेक्षण में की गई। आरोपी की गिरफ्तारी और मोबाइल बरामदगी में चौकी प्रभारी सीएसईबी उप निरीक्षक राजेश तिवारी, प्रशिक्षु उप निरीक्षक प्रमोद पटेल, प्रधान आरक्षक 286 गोविन्द सिंह और आरक्षक 689 रितेश शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्कूटी में 110 लीटर अवैध महुआ शराब ले जा रहे दो युवक गिरफ्तार, 97 हजार की संपत्ति जब्त

रायपुर। बलौदा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्कूटी में 110 लीटर महुआ शराब ले जा रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से शराब, स्कूटी और मोबाइल समेत कुल 97 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। दोनों आरोपियों को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 8 अगस्त 2026 को बलौदा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति बिना नंबर की स्कूटी में बड़ी मात्रा में महुआ शराब लेकर ग्राम हरीबनपुर से ग्राम पाईकपारा की ओर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हरीबनपुर से पाईकपारा जाने वाले कच्चे मार्ग पर घेराबंदी की। कुछ देर बाद बिना नंबर की स्कूटी में सवार दो संदिग्ध युवक वहां पहुंचे। पुलिस को देखकर दोनों घबरा गए। पुलिस ने उन्हें रोककर पूछताछ की, जिसमें उनकी पहचान योगेश चौधरी (24), पिता देवसिंह चौधरी और किशन भोई (26), पिता संतलाल भोई, दोनों निवासी कुटेला, थाना सरायपाली के रूप में हुई।

राजनांदगांव में 43.61 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन

15.92 करोड़ की लागत से बनेगा प्रदेश का सबसे बड़ा 2000 सीटर ऑडिटोरियम

रायपुर/ संवादाता

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने राजनांदगांव शहर में 43 करोड़ 61 लाख 26 हजार रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 15 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत से प्रदेश के सबसे बड़े 2000 सीटर ऑडिटोरियम का निर्माण प्रमुख रूप से शामिल है। इसके साथ ही शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, विद्युतीकरण, पेयजल, मुक्तिधाम उन्नयन एवं सामुदायिक भवन सहित विभिन्न अधोसंरचना विकास कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम में 15वें वित्त आयोग 12 करोड़ 9 लाख 44 हजार रुपए की लागत से विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली एवं विद्युतीकरण के कार्य किए जाएंगे। अधोसंरचना मद से 11 करोड़ 57 लाख रूपए की लागत से सड़क, नाली, मुक्तिधाम उन्नयन एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य होंगे। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत 1 करोड़ रुपए की लागत से 4 वार्डों में सड़क, नाली एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य तथा 15वें

वित्त आयोग से 3 करोड़ 2 लाख 82 हजार रुपए की लागत से विभिन्न वार्डों में पाइपलाइन विस्तार के कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम में 1000 पौधों का वितरण भी किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजनांदगांव में बनने वाला 2000 सीटर ऑडिटोरियम शहर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। ऑडिटोरियम में बड़े आयोजनों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही पार्किंग, कॉरिडोर तथा लगभग एक हजार लोगों के एक साथ बैठकर भोजन करने की व्यवस्था भी होगी। यह ऑडिटोरियम राजनांदगांव सहित आसपास के नगरीय क्षेत्रों के लिए भी बड़े आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, सीसी रोड, इंटरलॉकिंग, प्रकाश व्यवस्था और पाइपलाइन विस्तार सहित 43 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राजनांदगांव के सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली है। जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी जा रही मांगों और प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति प्रदान की जा रही है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि आज राजनांदगांव शहर के लिए ऐतिहासिक दिन है। शहर को 43 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पिछले दो वर्षों में राजनांदगांव नगर निगम को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 267 करोड़ रूपए की राशि विकास कार्यों के लिए प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने राजनांदगांववासियों से शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक और नगर निगम मिलकर प्रयास करें तो राजनांदगांव स्वच्छता के क्षेत्र में देश में पहला स्थान प्राप्त कर सकता है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने राजनांदगांव शहर के लिए कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की बात कही।

रायपुर में चोरी, मारपीट और नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

- 14.828 किलो गांजा समेत अवैध शराब और चाकू बरामद

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, मारपीट, अवैध शराब, हथियार रखने और गांजा तस्करी से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने इन मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टिकरापारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रावणभाठा मैदान, भाठागांव से आरोपी सोएब मलिक के कब्जे से बैग में रखा 14 किलो 828 ग्राम गांजा बरामद किया। मामले में नारकोटिक्स अधिनियम की धारा 20(ङ) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं टिकरापारा थाना क्षेत्र के भंडारीपारा देवपुरी में पुलिस ने सोमनाथ महिलांग के कब्जे से 35 पाव देशी शराब, जिसकी कीमत करीब 3,500 रुपये है, बरामद कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की। गंज थाना क्षेत्र के गंजपारा पानी टंकी के पास से दिनेश तांडी के कब्जे से 19 पाव देशी शराब और 300 रुपये बिक्री रकम बरामद की गई। इस मामले में आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत कार्रवाई की गई। कोतवाली थाना क्षेत्र में नेहरू नगर शराब दुकान के पास पुलिस ने अमन तांडी को अवैध रूप से चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित करते हुए पकड़ा। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया गया है। चोरी के मामलों में खम्हारडीह थाना क्षेत्र के जगन्नाथ मंदिर के पास से अज्ञात चोर ने साहेब दास साहू की हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल चोरी कर ली। वाहन की कीमत करीब 8 हजार रुपये बताई गई है। गंज थाना क्षेत्र में सुभाष नगर से अज्ञात आरोपी ने सुजुकी बर्गमैन स्कूटर चोरी कर लिया, जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये है।

मलेरिया-डेंगू से बचाव के लिए सतर्कता जरूरी, जल शुद्धिकरण पर विशेष जोर....

- क्लोरीन टेबलेट का वितरण कर लोगों को शुद्ध पेयजल के लिए किया जा रहा जागरूक

रायपुर। संवाददाता

बरसात के मौसम में जलजनित एवं मच्छरजनित बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया, डेंगू सहित अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए सतत निगरानी, जनजागरूकता और आवश्यक किए जा रहे हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल स्रोतों के शुद्धिकरण पर विशेष ध्यान देते हुए क्लोरीन टेबलेट का वितरण किया जा रहा है। साथ ही हैंडपंप, कुएं एवं अन्य जलस्रोतों के नियमित क्लोरीनीकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील की है कि बारिश के मौसम में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि मलेरिया और डेंगू सहित जलजनित बीमारियों की रोकथाम में प्रशासन के प्रयासों के साथ जनभागीदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। नागरिक अपने घर और आसपास पानी जमा न होने दें, पेयजल को सुरक्षित एवं शुद्ध रखें तथा बुखार या बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। समय पर जांच और उपचार से बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है। बारिश के दौरान उल्टी-दस्त, बुखार, पीलिया, मलेरिया एवं आंत्रशोध जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचाव के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग करें तथा सड़ी-गली सब्जियां और फल का सेवन न करें। दस्त होने की स्थिति में शरीर में पानी एवं आवश्यक लवणों की कमी को दूर करने के लिए लो-ऑस्मोलर ओआरएस घोल का सेवन करना चाहिए।

: स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने हुनर से संवारी राखियों की खूबसूरती-मोती, धान-चावल, बीज और रक्तमौली धागों से तैयार राखियों में दिखा स्थानीय हुनर और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दीपक बैज के बयान पर केदार कश्यप का तीखा पलटवार

आदिवासी सम्मान कांग्रेस को क्यों चुभ रहा है-केदार कश्यप

रायपुर। संवाददाता

वनमंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बस्तर पंडुम और राष्ट्रपति भवन में बस्तर के आदिवासी प्रतिनिधियों की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हुई भेंट को लेकर दिए गए बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक हताशा नहीं, बल्कि बस्तर के जनजातीय समाज, उसकी संस्कृति, परंपराओं और अस्मिता का खुला अपमान है। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम किसी सरकार या राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं, बल्कि बस्तर की

हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और आदिवासी गौरव का महापर्व है। जिस आयोजन ने बस्तर के लोक कलाकारों, मांझी-चालकी व्यवस्था और जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान दिलाया, उसी पर सवाल उठाना बताता है कि कांग्रेस आदिवासी समाज के सम्मान को भी राजनीतिक चश्मे से देख रही है। केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रपति भवन में बस्तर के आदिवासी प्रतिनिधियों की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से हुई ऐतिहासिक भेंट का भी उपहास उड़ाने का प्रयास किया है। आज़ादी के दशकों बाद पहली बार बस्तर के पारंपरिक वेशभूषा में सजे जनजातीय प्रतिनिधियों को राष्ट्रपति भवन में सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया गया, उनसे आत्मीय संवाद हुआ ।

यातायात पुलिस को मिले 1000 रेडियम कॉलर, आउटर और हाईवे मार्गों पर मवेशियों के गले में पहनाने का काम शुरू

रायपुर। रात के समय सड़कों और हाईवे पर बैठे या विचरण कर रहे मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने रेडियम कॉलर अभियान शुरू किया है। यातायात पुलिस और छत्तीसगढ़ सीसीटीवी संगठन के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य वाहन चालकों के साथ-साथ गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ सीसीटीवी संगठन की ओर से यातायात पुलिस रायपुर को 1000 रेडियम कॉलर उपलब्ध कराए गए। मरीन ड्राइव रायपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा और संगठन के पदाधिकारियों ने हाईवे पेट्रोलिंग तथा यातायात थानों के अधिकारी-कर्मचारियों को रेडियम कॉलर वितरित किए। रेडियम कॉलर वाहन की हेडलाइट पड़ने पर चमकते हैं। इससे रात के अंधेरे में सड़क पर बैठे मवेशी वाहन चालकों को दूर से ही दिखाई दे सकेंगे।

बालको कर रहा है क्षेत्र का चहुंमुखी विकास: लखन....

रायपुर। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा अयोध्यापुरी में सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, पार्षद श्री सरोज शांडिल्य, बालको के मुख्य कॉरपोरेट अफेयर्स एवं प्रशासन अधिकारी कैप्टन धनंजय मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। अयोध्यापुरी के सामुदायिक भूमि पूजन समारोह के अवसर पर लखन लाल देवांगन ने बालको प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा, बालको केवल औद्योगिक उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक दायित्वों का भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन कर रहा है। सामुदायिक भवन जैसे विकास कार्य स्थानीय नागरिकों के सामाजिक आयोजनों और सामुदायिक विकास से जुड़े निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बनेंगे। बालको क्षेत्र के चहुंमुखी विकास जैसे शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सड़क निर्माण एवं चैड़ीकरण और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निरंतर योगदान देकर स्थानीय समुदाय के जीवन को बेहतर बनाने का कार्य कर रहा है। उद्योग और समाज के इस सहयोग से कोरबा के विकास को नई गति मिल रही है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक श्री राजेश सिंह ने कहा, हमें खुशी है कि बालको स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में समुदाय के विकास में अपनी भूमिका निभा रहा है।

बिहान से जुड़कर बदली अनिमा तिग्गा की जिंदगी

अनिमा तिग्गा ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से बनीं लखपति दीदी

- बिहान से जुड़कर बदली अनिमा तिग्गा की जिंदगी, ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से बनीं लखपति दीदी
- समूह से मिले सहयोग और कृषि गतिविधियों ने बढ़ाई आय, अब हर वर्ष 3.5 से 4 लाख रुपये तक की आमदनी

रायपुर/ संवाददाता

बिहान योजना से जुड़कर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं, बल्कि कृषि एवं अन्य आजीविका गतिविधियों को अपनाकर आत्मनिर्भर भी बन रही हैं। ग्राम पंचायत मेंड्रा कला की रहने वाली अनिमा तिग्गा भी ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने समूह से जुड़कर कृषि के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और आज लखपति दीदी के रूप में आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ रही हैं। अनिमा तिग्गा सुधा स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बिहान योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों और आजीविका के अवसरों की जानकारी मिली। इससे पहले वे मुख्य रूप से घर पर रहती थीं और उन्हें आर्थिक गतिविधियों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने कृषि कार्य को आय का माध्यम बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्होंने समूह के माध्यम से 60 हजार रुपये का

ऋण लिया और सामान्य टमाटर की खेती शुरू की। पहली बार टमाटर की खेती से उन्हें करीब 3 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। इससे उनका उत्साह बढ़ा और उन्होंने दोबारा टमाटर की खेती की। हालांकि दूसरी बार सामान्य टमाटर की खेती में लगभग आधे पौधे खराब हो गए, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ा और अपेक्षित आय नहीं हो सकी। इस अनुभव के बाद अनिमा ने खेती में नई तकनीक अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने ग्राफ्टेड टमाटर के पौधों का उपयोग शुरू किया। ग्राफ्टेड पौधों के उपयोग से उनकी खेती में बड़ा बदलाव आया। उन्होंने बताया कि ग्राफ्टेड पौधे लगाने के बाद पौधे स्वस्थ रहे और एक भी पौधा खराब नहीं हुआ। इससे उत्पादन बेहतर हुआ और उनकी आमदनी में भी वृद्धि हुई। अनिमा तिग्गा ने बताया कि ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से उन्हें एक सीजन में करीब 3.5 लाख रुपये तक की आय प्राप्त हुई। पहले वे कम मात्रा में लगभग 2 हजार ग्राफ्टेड पौधे मंगाती थीं, लेकिन खेती में अच्छे परिणाम मिलने के बाद अब वे लगभग 3,500 ग्राफ्टेड पौधे मंगाकर हर वर्ष टमाटर की खेती करती हैं। इससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 3.5 से 4 लाख रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि कृषि कार्य और बिहान समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में काफी बदलाव आया है। आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ ही उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

संपादकीय

क्या देश में हवाई सफर की सुरक्षा हादसों के बाद ही याद आती है?

हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। देश में हवाई यात्रा की सुविधा का दायरा बढ़ाने के लिए विमान सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। लोगों की पहुंच को आसान बनाने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों के निर्माण में प्रगति हुई है। इसके साथ ही विमान किराये में भी आए दिन बेलगाम तरीके से बढ़ोतरी होती रहती है। मगर इसी तर्ज पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। कभी तकनीकी खराबी, सतर्कता की कमी, तो कभी मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां विमान हादसों का कारण बनती हैं।ऐसी ही एक घटना बीते मंगलवार को हुई, जब थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रहा एअर इंडिया का एक विमान वायुमंडलीय अस्थिरता यानी टर्बुलेंस के कारण हवा में अपनी निर्धारित ऊंचाई से अचानक लगभग तीन सौ फुट नीचे आ गया, जिससे सत्रह यात्री घायल हो गए। हालांकि, बाद में इस विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। सवाल है कि देश भर में होने वाले विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है? इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?यह सच है कि हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की जरूरत के मुताबिक तैनाती नहीं हो पाने से संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ रहा है और इससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी अक्सर बनी रहती हैं। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, करीब पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारण होती है। एअर इंडिया का जो विमान वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण असंतुलित हुआ, उसमें 137 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। अगर पायलट के समझने में थोड़ी सी भी चूक होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। फिर क्या वजह है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तकनीकी रूप से मानक संचालन प्रक्रिया में सुधार नहीं हो पाया है?सवाल यह भी है कि इस घटना के दौरान खराब मौसम की स्थिति में संभावित वायुमंडलीय अस्थिरता के बारे में चालक दल की ओर से यात्रियों को पहले से सचेत करने की सामान्य मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं? अगर यात्रियों को समय रहते सतर्क कर दिया जाए, तो विमान में मौजूद सुरक्षात्मक उपायों के इस्तेमाल से उनके हताहत होने की संभावना कम होती है।

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

(ललित गर्ग)

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को

ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी। सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे। आज समय की मांग है कि जंक फूड के विरुद्ध संघर्ष को केवल प्रतिबंध तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे स्वस्थ जीवनशैली के राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप दिया जाए। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया, उसी प्रकार स्वस्थ भोजन और पोषण को भी राष्ट्रीय जन-जागरण का विषय बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि वास्तविक ऊर्जा किसी पैकेट में नहीं, बल्कि प्रकृति के निकट रहने वाले भोजन में छिपी है। महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। यदि बचपन सुरक्षित रहेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यदि बच्चों की थाली पौष्टिक होगी तो राष्ट्र की प्रगति भी संतुलित होगी। आने वाले भारत की पहचान केवल तकनीकी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त, अनुशासित और जागरूक नई पीढ़ी से होगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प यही होना चाहिए कि हर बच्चे को ऐसा वातावरण मिले, जहाँ स्वाद से पहले स्वास्थ्य, सुविधा से पहले पोषण और तात्कालिक आकर्षण से पहले दीर्घकालिक जीवन-सुरक्षा को महत्व दिया जाए। यही उन्नत बचपन का मार्ग है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेज रफ्तार जिंदगी में क्यों सबसे बड़ी ताकत बन गया है सब्र? हर दिन देता है इसका जवाब

(महिमा सामंत)

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सब्र की असली परीक्षा छोटे-छोटे पलों में होती है। सबसे आम उदाहरण है यातायात जाम। घर से निकलते ही यातायात जाम, दिन भर इंतजार और हर कदम पर अधीरता। आज की जिंदगी जैसे सब्र की लगातार परीक्षा बन गई है। तेज रफ्तार के इस दौर में हम हर चीज तुरंत चाहते हैं। तुरंत जवाब, तुरंत सफलता, तुरंत समाधान। ऐसे समय में 'सब्र' शब्द भले पुराना लगे, पर सच यही है कि आज इसकी जरूरत पहले से कहीं अधिक है।

दरअसल, सब्र का अर्थ केवल इंतजार करना नहीं है। यह उस इंतजार के दौरान अपने मन को संतुलित रखना है। यह वह समझ है, जो हमें जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से रोकती है। जहां अधीरता क्षणिक राहत देती है, वहीं सब्र स्थायी सुकून देता है। यह हमें सिखाता है कि हर चीज का एक समय होता है और उस समय से पहले घबराना केवल हमारी ऊर्जा को नष्ट करता है।

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सब्र की असली परीक्षा छोटे-छोटे पलों में होती है। सबसे आम उदाहरण है यातायात जाम। जब हम किसी जरूरी काम के लिए निकलते हैं और रास्ते में लंबा जाम मिल जाता है, तो मन बेचैन हो उठता है। हम बार-बार घड़ी देखते हैं, हॉर्न की आवाजें हमें और चिड़चिड़ा बना देती हैं। मगर सच यही है कि उस जाम को हम तुरंत खत्म नहीं कर सकते। ऐसे में जो व्यक्ति खुद को शांत रखता है, कोई साक्षात्कार सुन लेता है या बस गहरी सांस लेकर खुद को संभालता है, वही मानसिक रूप से संतुलित रह पाता है।

इसी तरह लंबी कतार में खड़े रहना, चाहे वह बैंक हो, अस्पताल हो या किसी दुकान की लाइन। कुछ लोग अधीर होकर आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं, बार-बार शिकायत करते हैं। वहीं कुछ लोग चुपचाप अपनी बारी का इंतजार करते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि दूसरे व्यक्ति ने स्थिति को स्वीकार कर लिया है। यही स्वीकार करना ही सब्र की शुरुआत है।

एक और साधारण लेकिन गहरा उदाहरण है 'ट्रैफिक सिग्नल' पर रुकना। लाल बत्ती होते ही कुछ लोग बेचैन हो जाते हैं। वे गाड़ी को थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ाते हैं, जैसे कुछ पल पहले निकल जाना बहुत बड़ा अंतर पैदा कर देगा। वहीं कुछ लोग उस रुकने को सहजता से स्वीकार करते हैं। सच यह है कि वह लाल बत्ती केवल सड़क का नियम नहीं, जीवन का संकेत भी है कि हर समय आगे बढ़ना ही जरूरी नहीं। कभी-कभी रुकना भी उतना ही आवश्यक होता है। जो व्यक्ति इस छोटे ठहराव को समझ लेता है, वह जीवन के बड़े ठहरावों को भी सहजता से पार कर लेता है।

आज के डिजिटल युग में भी सब्र की परीक्षा कम नहीं है। जब इंटरनेट धीमा हो जाता है या कोई फाइल डाउनलोड होने में समय लेती है, तो हम बार-बार स्क्रीन देखते हैं। छोटी-सी देरी भी हमें असहज कर देती है। मगर हम उसी समय को किसी और उपयोगी काम में लगा दें, जैसे कुछ पढ़ना या अपनी योजना बनाना, तो वही प्रतीक्षा सार्थक बन सकती है।

एक और आम स्थिति है - किसी के जवाब का इंतजार। हमने संदेश भेजा, फोन किया, लेकिन सामने से जवाब नहीं आया। मन तुरंत कई तरह के अनुमान लगाने लगता है। यही वह क्षण है, जहां सब्र की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। अगर हम खुद को रोक लें और यह समझें कि हर व्यक्ति अपनी परिस्थितियों में व्यस्त हो सकता है, तो हम अनावश्यक तनाव से बच सकते हैं।

घर-परिवार में भी सब्र का महत्त्व बहुत बड़ा है। जब कोई बुजुर्ग किसी बात को बार-बार पूछते हैं या धीरे-धीरे काम करते हैं, तो हम अक्सर अधीर हो जाते हैं। अगर हम थोड़ा ठहरकर सोचें, तो समझ आएगा कि उन्हें हमारी जल्दी नहीं, हमारे साथ की जरूरत है। ऐसे समय में दिखाया गया सब्र रिश्तों को गहराई देता है।

बच्चों के साथ व्यवहार भी सब्र का सबसे सच्चा आईना है। एक बच्चा जब नया कुछ सीखता है, तो वह बार-बार गलती करता है। अगर हम हर गलती पर गुस्सा करें, तो उसका आत्मविश्वास टूट जाएगा, लेकिन अगर हम सब्र के साथ उसे समझाएं, तो वही बच्चा धीरे-धीरे बेहतर बनता है।

वैवाहिक जीवन में भी सब्र की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण होती है। दो अलग-अलग स्वभाव, आदतें और सोच जब एक साथ आती हैं, तो मतभेद स्वाभाविक हैं। हर छोटी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देना या अपनी बात मनवाने की जिद करना रिश्तों को कमजोर करता है। वहीं, अगर दोनों पक्ष थोड़ा ठहरकर एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें, तो वही मतभेद समझ में बदल सकते हैं। कई बार चुप रहना हार नहीं, बल्कि रिश्ते को बचाने की समझदारी होती है। विवाह में सब्र केवल सहने का नाम नहीं, बल्कि साथ निभाने की कला है।

पढ़ाई और करिअर के संदर्भ में देखें, तो आज हर कोई जल्दी परिणाम चाहता है।

शिक्षा सुधार के दावे बहुत, बुनियादी बदलाव अब भी अधूरा- ऐसे नहीं बनेगा ज्ञान महाशक्ति भारत

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी।

(सुरेश सेठ)

यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे। भारत शिक्षा के मामले में सदियों से अग्रणी रहा। हमारी पुरानी शिक्षा व्यवस्था दुनिया को राह दिखाती थी। बड़ी संख्या में विद्यार्थी यहां पढ़ने के लिए आते थे। यहां गुरुकुल से कई ऐसे विद्यार्थी निकले, जिन्होंने दुनिया को राह दिखाई। मगर समय बदलने के साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली में अनेक बदलाव हुए। भारत, जो कभी ज्ञान और नवजागरण के क्षेत्र में अग्रणी था, वह पिछड़ता चला गया।

हम पश्चिमी शिक्षा की नकल करने लगे। हमारी शिक्षा व्यवस्था ने शोध और अन्वेषण को कम कर दिया। कला संकाय का महत्त्व कम होता चला गया। शिक्षा पर बाजार हावी होने लगा। नए रास्ते पर चलने की हमारी ललक खत्म हो गई। दुनिया डिजिटल होती गई और इंटरनेट उसकी आधारभूमि बन गया। आज भारत कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल कर दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल होना चाहता है।

यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे।

पिछले डेढ़ दशक में डिजिटल तकनीक को अपनाने और इस दिशा में आगे बढ़ने के कई दावे किए गए हैं। भारत कृत्रिम मेधा का अगुआ बनने की कोशिश भी कर रहा है, लेकिन एक कमी रह गई। यह कमी है संकल्प की। हम बेहतरीन शिक्षक तैयार नहीं कर पा रहे हैं। विद्वता बढ़ाने पर भी कोई जोर नहीं दिखता। इच्छा और आकांक्षा जरूर थी, लेकिन अध्यापकों की प्रतिबद्धता में बदलाव नहीं आया। विद्यार्थी उपलब्धियां हासिल करने को ही लक्ष्य मान बैठे। नतीजा यह कि मेहनत और अन्वेषण कर आगे जाने का उत्साह कम पड़ता चला गया। यही कारण है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था धीरे-धीरे पिछड़ती चली गई।

बच्चों को पढ़ाने में शिक्षक भी इसलिए पिछड़े, क्योंकि उन्होंने खुद को अद्यतन नहीं किया। नतीजा यह कि हमारे विद्यार्थी समय के साथ आगे नहीं बढ़े। डिजिटल में सहज होने के क्रम में हम कागज-कलम से दूर हो गए। इसी के साथ हम अपनी पुस्तक संस्कृति भी भूल गए। मोबाइल फोन पर ही कक्षाएं लगने लगीं। बच्चे भी वहीं पढ़ने लगे। किताबें कोने में धरी रह गईं। डिग्रियां पाने और सार्वजनिक प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने की होड़ शुरू हो गई। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा का असली उद्देश्य पीछे रह गया।

प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ी कोई नई बात नहीं है। यह काफी समय से हो रही है। मगर जब बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाली परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बाहर आने लगे, तब इस समस्या को गंभीरता से लिया गया और यह मुद्दा बनने लगा। प्रश्नपत्र लीक को कुछ गिरोहों ने अपना धंधा बना लिया और वे लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खेलने लगे। वर्ष 2024 और 2026 में बड़े पैमाने पर प्रश्नपत्र लीक हुए। निराशा में डूबे कुछ विद्यार्थियों ने खुदकुशी की। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच विद्यार्थियों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों आंदोलन किया। युवा पीढ़ी का असंतोष आक्रोश में बदल गया। नतीजा, शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा। हालांकि, इससे शिक्षा व्यवस्था में कोई बदलाव होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं।

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी। सरकार इस विधेयक को काफी महत्त्व दे रही है, मगर इसमें गंभीर चिंतन नहीं दिखता है। इस पर संसद में व्यापक बहस भी नहीं हो पाई। कड़े दंड के प्रावधानों वाला यह विधेयक बहुमत के बल पर पारित तो हो गया, लेकिन परीक्षा व्यवस्था और शिक्षा में सुधार के लिए यह काफी नहीं है।

पिछला अनुभव बताता है कि दोषियों को सजा देने के कानून तो पहले भी थे। चाहे उनमें सजा इतनी सख्त नहीं थी, लेकिन फिर भी पिछले पच्चीस वर्षों में देश भर के अलग-अलग हिस्सों से जो प्रश्नपत्र लीक हुए और माफिया ने जो कारगुजारी की, उस हिसाब से बड़े पैमाने पर धर-पकड़ नहीं हुई।

फिलहाल सरकार ने एक बड़ी पहल की है। उसने त्वरित अदालतें बनाई हैं। तीन महीने में फैसला देकर अपराधियों को कड़ी सजा देने की घोषणा भी की गई है, लेकिन पिछले दिनों एक मामले में वकील के हाजिर न होने से अगली तारीख दे दी गई। दंड प्रक्रिया को चुस्त कर प्रवेश परीक्षाओं को शुचितापूर्ण तो बनाया जा सकता है, लेकिन सवाल है कि यह पूरी तरह दोषरहित कैसे होगी? हालांकि, सरकार इसको लेकर गंभीर दिख रही है। उसने छह सदस्यीय उच्चस्तरीय कार्यबल बना दिया है, जो राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के काम की समीक्षा करेगा और प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए अपनी सिफारिशें देगा। इससे परीक्षा प्रणाली में सुधार की उम्मीद है।

देश की शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत है। नीति-निर्माताओं को यह बात ध्यान में रखनी होगी कि शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया आज कितने आगे बढ़ चुकी है और हम अभी नारे ही गढ़ रहे हैं। हम नारे लगाते हैं डिजिटल भारत के। हम बताते हैं कि भारत में मोबाइल क्रांति हो गई है और जल्द ही कृत्रिम मेधा को भी साध लिया जाएगा। इस दिशा में प्रगति निस्संदेह प्रशंसनीय है, मगर सवाल यह है कि क्या हम युवा पीढ़ी को नए रोजगार के काबिल बना रहे हैं? आज भी न तो अध्यापक और न ही छात्र नई राहों के अन्वेषी हैं। वे कोई नया शोध करना नहीं चाहते। वे बस डिग्रियां चाहते हैं। आज भी पाठ्यक्रमों में बड़ा बदलाव नहीं होता। बरसों तक उन्हें वहीं पढ़ाया जाता है।

भारत की साठ फीसद आबादी गांवों में बसती है। मगर वहां पुस्तकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है, मोबाइल नेटवर्क या तो है ही नहीं या फिर बहुत कमजोर है और यहां चर्चा होती है कि नीट सहित सारी प्रतियोगी परीक्षाएं कंप्यूटर से ली जानी चाहिए। सुधार कैसे होगा, जबकि स्कूलों में पढ़ाई का तरीका वही पुराना है? सरकार कहती है कि ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने लगे हैं, लेकिन सच यह है कि दसवीं तक पहुंचने के बाद उनमें से कई बच्चे स्कूल से निकल जाते हैं।

उच्च स्तर पर शिक्षा में बदलाव का आधार स्कूली शिक्षा होनी चाहिए। बदलाव करना है, तो प्राथमिक स्तर से हो। शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जाए, लेकिन यह सब रोजगार की गारंटी के बिना संभव नहीं होगा। जो विद्यार्थी पढ़ने के लिए आता है, वह आश्वस्त हो कि उसकी मेहनत और डिग्री के मुताबिक उसे रोजगार अवश्य मिलेगा। इससे छात्रों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण अपने आप बदल जाएगा। अध्यापकों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। नए माहौल के मुताबिक जब तक वे स्वयं को अद्यतन नहीं करेंगे, तब तक बात नहीं बनेगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

अंतागढ़ में सर्व आदिवासी समाज ने मनाया जिला स्तरीय विश्व मूल निवासी आदिवासी दिवस, उमड़ा जनसैलाब

मुख्यातिथि डॉ. लक्षमण यादव ने भरी हुंकार; संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा, शिक्षा और स्थानीय अधिकारों हेतु महामहिम राज्यपाल एवं कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

कांकेर। सर्व आदिवासी समाज के तत्वावधान में अंतागढ़ ब्लॉक मुख्यालय में जिला स्तरीय 'विश्व मूल निवासी आदिवासी दिवस' 9 अगस्त का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांकेर जिले के प्रत्येक गांव से सर्व आदिवासी समाज के प्रमुख, वरिष्ठ नागरिक, मातृशक्ति एवं हजारों की संख्या में युवा-युवतियाँ अपनी पारम्परिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़ों के साथ सम्मिलित हुए। पूरा अंतागढ़ क्षेत्र आदिवासी संस्कृति के रंगों और जयकारों से गुंजायमान हो उठा।सरकार 'एक पेड़ मां के नाम' लगा रही, पर लाखों पेड़ उद्योगपतियों को सौंपे जा रहे : डॉ. लक्ष्मण यादव-कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मण यादव ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, इतिहास और वर्तमान में हो रहे शोषण पर बेबाक विचार रखे। उन्होंने कहा एक तरफ सरकार 'एक पेड़ मां के नाम' का नारा देकर पौधारोपण का दिखावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ बस्तर के जंगलों और संसाधनों को कॉरपोरेट घरानों तथा अडानी जैसी निजी कंपनियों के हवाले किया जा रहा है। आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन का खुलेआम शोषण हो रहा है। बस्तर की प्राकृतिक संपदा पर पहला अधिकार यहाँ के मूल निवासियों का है और इसकी रक्षा के लिए पूरे समाज को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

ज्ञापन में शामिल प्रमुख राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तरीय मांगें-समारोह के अंत में सर्व आदिवासी समाज द्वारा जिला प्रशासन जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन पूर्व में 06 जून को रायपुर के वृंदावन हाल में आयोजित संयुक्त आदिवासी बैठक के प्रस्तावों पर आधारित है। ज्ञापन की मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं।राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मांगें-आगामी जनगणना में आदिवासी समुदाय के लिए पृथक आदिवासी धर्म कोड का कॉलम दिया जाए और उनकी पारंपरिक आस्था को वैधानिक मान्यता मिले। परिसीमन के दौरान अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कम न किया जाए तथा केवल जनसंख्या ही नहीं, बल्कि भौगोलिक क्षेत्रफल को भी ध्यान में रखा जाए। बस्तर एवं सरगुजा संभाग में लोहा, कोयला, बॉक्साइट खदानों का निजीकरण रोका जाए और केवल सार्वजनिक उपक्रमों को ही कार्य दिया जाए। लंबित व्यक्तिगत व सामुदायिक वन अधिकार दावों का त्वरित निराकरण हो तथा ग्राम सभाओं को वास्तविक प्रशासनिक एवं आर्थिक अधिकार दिए जाएं। अनुसूची क्षेत्रों में नगरीय निकायों के गठन पर रोक लगाई जाए तथा जिनका गठन हुआ है उन्हें विघटित किया जाए। आदिवासियों को समान नागरिक संहिता से बाहर रखा जाए तथा धर्म परिवर्तन के नाम पर अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने की कोशिशों को रोका जाए। नक्सल मामलों में वर्षों से जेलों में बंद निर्दोष आदिवासियों की समीक्षा कर उन्हें रिहा किया जाए और फर्जी मामलों की जांच हेतु टास्क फोर्स का गठन हो।शिक्षा, मातृभाषा एवं स्थानीय अधिकार -प्राथमिक शिक्षा बच्चों की मातृभाषा में दी जाए, इसके लिए शिक्षकों की नियुक्ति हो तथा स्थानीय इतिहास व संस्कृति को पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए। एसटी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति हेतु आय सीमा की बाध्यता समाप्त की जाए तथा छात्रावासों के अवसर बढ़ाए जाएं। अनुसुचित क्षेत्रों में स्थानीय युवाओं के लिए 100 बिंदु आरक्षण रोस्टर लागू किया जाए और बैकलाग पदों पर विशेष भर्ती अभियान चले। खनन, भूमि अधिग्रहण या वन भूमि डायवर्जन हेतु ग्राम सभा की पारदर्शी और पूर्व सहमति अनिवार्य हो। बिना कोरम या बिना सही जानकारी के ली गई फर्जी सहमतियों को रद्द किया जाए।जिला स्तरीय मांगें एवं स्थानीय मुद्दे-रावघाट परियोजना से मिलने वाली राशि का 90% हिस्सा नारायणपुर जा रहा है और कांकेर को केवल 10% मिल रहा है; कांकेर जिले को भी इसका उचित व बराबर हिस्सा दिया जाए। जिला खनिज न्यास की 50% राशि सीधे प्रभावित ग्राम सभाओं, जनपद व जिला पंचायतों को विकास कार्यों हेतु दी जाए। गोंड समाज व आदिवासियों के नामांतरण व उत्तराधिकार मामलों में 'हिंदु उत्तराधिकार अधिनियम 1956' लागू न करके उनकी स्थानीय रुढ़ि-परंपरा एवं रीति-रिवाजों के अनुसार भू-अभिलेख दर्ज किए जाएं।सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी शाम- कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं एवं सांस्कृतिक दलों द्वारा पारंपरिक रेला, कर्मा नृत्य और वाद्ययंत्रों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई।

कॉन्ट्रैक्टर वेलफेयर एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न, एनएमडीसी अधिशासी निदेशक ने दिलाई पद की शपथ

किरंदुल। एनएमडीसी किरंदुल और बचेली परियोजना में कार्यरत किरंदुल कॉन्ट्रैक्टर संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह किरंदुल परियोजना स्थित मंगल भवन में भव्य रूप से संपन्न हुआ।

अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद संघ के सदस्यों ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। गौरतलब है कि गत 26 जुलाई को संघ का द्विवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ था। सोमवार को एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रवीन्द्र नारायण ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई।

इन्होंने ली पद की शपथ

शपथ ग्रहण करने वाले पदाधिकारियों में अध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, सचिव बिप्लव मल्लिक, कोषाध्यक्ष बबलू तिवारी, उपाध्यक्ष मंगल कुंजाम, उपाध्यक्ष अमलेन्दूरू चक्रबर्ती, सह सचिव अमृत टंडन, सह सचिव सुजीत पिल्लई और कार्यालय सचिव तपन दास शामिल हैं।

समारोह में अतिथि रहे मौजूद

कार्यक्रम में एनएमडीसी बचेली परियोजना के मुख्य महा प्रबंधक श्रीधर कोडाली, किरंदुल नगर पालिका अध्यक्ष रूबी सिंह, मुख्य महाप्रबंधक वर्क्स किशन आहूजा, आर्सेलर मित्तल कंपनी किरंदुल के महाप्रबंधक राघवेलु, आर्सेलर मित्तल के कल्याण व सीएसआर प्रमुख डॉ. तेजप्रकाश, श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए.के. सिंह, श्रमिक संघ एसकेएमएस के अध्यक्ष देवरायल्यू, कार्यकारी अध्यक्ष रोशन मिश्रा, किरंदुल पालिका की पार्षद इला पटेल, पार्षद लीना सोनी, एल्डरमैन संजीव दास, एल्डरमैन सुनीता साहू, एल्डरमैन पी. श्रीनु, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सतविंदर सिंह, पूर्व पालिका अध्यक्ष अमरीक सिंह, पूर्व पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष सुरेंदर नायर और किरंदुल थाना प्रभारी संजय यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ग्राम बड़ेतेवड़ा में अवैध कब्जे को लेकर कलेक्टर से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

कांकेर। ग्राम पंचायत बड़ेतेवड़ा में शासकीय भूमि पर कथित अवैध कब्जे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मामले में ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन देकर ग्राम में किए गए सभी अवैध कब्जों की निष्पक्ष जांच एवं सभी अवैध कब्जे पर अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा कुछ लोगों के विरुद्ध अवैध कब्जे को लेकर शिकायतें की जा रही हैं। आवेदकों के अनुसार, पिछले लगभग 6–7 महीनों से भूमि संबंधी मामले में तहसील न्यायालय में पेशी एवं कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए बार-बार उपस्थित होना पड़ रहा है । परन्तु अन्य 43 अवैध कब्जाधारियों पर कारण बताओ नोटिस जारी नहीं किया जा रहा है।सभी अवैध कब्जाधारियों पर कार्यवाही होनी चाहिए। आवेदन के अनुसार, श्यामसिंह सर्फे, महेंद्र बघेल, हिराऊ राम सलाम, शिवप्रसाद सलाम, अशोक सलाम एवं सुकड्डु राम रविंद्र मंडावी द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में शिकायत प्रस्तुत कर राजमन सलाम, महादेव नेगी, अंशु मंडावी, शिव कुमार सलाम, जयपाल सलाम एवं रामलाल सलाम के विरुद्ध अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है। आवेदकों ने इन शिकायतों को निराधार बताते हुए धार्मिक भेदभाव की आशंका भी व्यक्त की है। आवेदन में दावा किया गया है कि उक्त भूमि विवाद दिसंबर 2025 में हुए शव उत्खनन विवाद के बाद सामने आया, जबकि इससे पहले इस संबंध में कोई विवाद या शिकायत नहीं थी। आवेदकों का कहना है कि ग्राम में लगभग 43 अन्य व्यक्तियों द्वारा भी शासकीय भूमि पर कब्जा कर घर निर्माण किया गया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि यदि शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जानी है तो ग्राम में किए गए सभी कथित अवैध कब्जों का सर्वेक्षण, जांच एवं सत्यापन कराया जाए और अवैध कब्जा पाए जाने पर बिना किसी राजनीतिक दबाव, धार्मिक भेदभाव अथवा पक्षपात के नियमानुसार समान कार्यवाही की जाए। आवेदनकर्ताओं ने यह भी कहा है कि केवल कुछ व्यक्तियों के विरुद्ध अतिक्रमण हटाने के बजाय ग्राम में शासकीय भूमि पर किए गए सभी कब्जों को एक समान मानदंड के आधार पर अतिक्रमण हटाया जाए, कार्यवाही नहीं होने पर आवेदन निवेदन करने सरकारी दफ्तरों का ग्रामीण चक्कर लगाते रहेंगे, अगर श्यामसिंह सर्फे महेंद्र बघेल एवं अन्य लोगों का घर तोड़ने का विचार ही है तो अवैध कब्जे का अतिक्रमण हटाने से ही विवाद शांत होगा तो यही किया जाए।

मां की नजूल जमीन की कथित फर्जी बिक्री का आरोप, रजिस्ट्री निरस्त कराने कलेक्टर से गुहार

कांकेर। कांकेर चारामा ग्राम चपेती निवासी परदेशी राम पटेल ने अपनी मां की नजूल जमीन की कथित धोखाधड़ी से बिक्री किए जाने और गलत तरीके से कराई गई रजिस्ट्री को निरस्त कराने की मांग को लेकर जिला प्रशासन से फिर गुहार लगाई है। उन्होंने इस संबंध में पूर्व में दिए गए आवेदन पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर के समक्ष पुनः आवेदन प्रस्तुत किया है।आवेदन के अनुसार, परदेशी राम पटेल ने बताया कि उनकी मां श्यामबाई, पति रामचरण, की नजूल भूमि खसरा नंबर 491 में लगभग 3.25 एकड़ जमीन है। आरोप है कि उक्त जमीन को धोखाधड़ी एवं गलत तरीके से रजिस्ट्री कराकर बेच दिया गया। आवेदक के मुताबिक जमीन पर उसकी मां की तीन संतानें-प्रमीला, परदेशी और सतवती-हैं और तीनों का बराबर हिस्सा बताया गया है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि उक्त जमीन को बलराम पिता लक्ष्मण द्वारा अपने नाम दर्ज कराकर खेलालाल महमला को बेच दिया गया, जिसे आवेदक ने पूरी तरह गैरकानूनी बताया है। परदेशी राम का कहना है कि इस मामले में पूर्व में 25 मई 2026 को भी आवेदन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक अथवा ठोस कार्रवाई नहीं होने से परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 एवं छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 165 के तहत कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही कथित धोखाधड़ी से कराई गई रजिस्ट्री को तत्काल निरस्त करने तथा मां की नजूल जमीन में तीनों भाई-बहनों को उनके बराबर कानूनी हिस्से दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की गई है। मामला अब जिला प्रशासन के समक्ष पहुंचने के बाद जमीन की रजिस्ट्री, स्वामित्व एवं हिस्सेदारी को लेकर जांच और प्रशासनिक कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की वास्तविकता संबंधित दस्तावेजों और प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

नंबी जलप्रपात में इको-टूरिज्म की नई शुरुआत, कैंपिंग और ट्रेकिंग से बढ़ेगी बीजापुर की पहचान

नक्सलवाद का असर घटने के बाद बढ़ी पर्यटन गतिविधियां, दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेशभर से पहुंचे पर्यटक

बीजापुर। बस्तर और बीजापुर में नक्सलवाद की धुंध छंटने के साथ अब इको-टूरिज्म को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ती नजर आ रही है। लंबे समय तक सुरक्षा कारणों से अनदेखे रहे प्राकृतिक स्थलों की ओर अब पर्यटकों का रुझान बढ़ रहा है। इसी कड़ी में जिले के प्रसिद्ध नंबी जलप्रपात में 8 और 9 अगस्त को दो दिवसीय कैंपिंग एवं ट्रेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रायपुर की संस्था ,द्दशद्ध श्चश्छद्दशद्दद्दद्धाद्ध और नंबी धारा समिति के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में रायपुर, दुर्ग, कोरबा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 20 पर्यटक शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नंबी जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता को लोगों तक पहुंचाना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्थानीय लोगों को पर्यटन से जोड़ना रहा। दो दिनों तक पर्यटकों ने नंबी जलप्रपात, आसपास के जंगलों और प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने ट्रेकिंग और कैंपिंग का आनंद लिया तथा क्षेत्र की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को करीब से जाना। Agora Ecotourism के संस्थापक डॉ. आलोक कुमार साहू के मार्गदर्शन में यह पहल की गई। संस्था लंबे समय से छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकृति आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। बीजापुर के निवासी रिशभ भी इस पहल से जुड़े हैं और जिले में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम को सफल बनाने में नंबी धारा समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति ने स्थानीय लोगों को आयोजन से जोड़ने का प्रयास किया ताकि भविष्य में पर्यटन के माध्यम से गांवों में रोजगार और आय के नए अवसर पैदा हो सकें। स्थानीय युवाओं को गाइड, कैंपिंग सहयोगी, परिवहन, भोजन व्यवस्था, होमस्टे और अन्य सेवाओं से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। पर्यटकों ने नंबी क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना करते हुए कहा कि बीजापुर में कई ऐसे प्राकृतिक स्थल हैं, जिनकी जानकारी अभी बहुत कम लोगों तक पहुंच पाई है। यदि इन स्थलों का व्यवस्थित विकास और प्रचार-प्रसार किया जाए तो यह क्षेत्र राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है। आयोजन के दौरान पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने, कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। आयोजकों ने बताया कि पर्यटन का विकास प्रकृति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना होना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन प्राकृतिक धरोहरों का आनंद ले सकें।स्थानीय लोगों का मानना है कि इस तरह के आयोजन बीजापुर की सकारात्मक पहचान बनाने में मदद करेंगे। साथ ही जिले के युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए रास्ते भी खोलेंगे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने मूल संस्कृति, परंपरा एवं प्रकृति की रक्षा के साथ ही आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग पर भी केंद्र सरकार से मांग की जाए

विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न, पांच चौराहों का भूमि पूजन एवं नामकरण से समाज में हर्ष का माहौल

केशकाल। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज ब्लाक ईकाई केशकाल, सर्व आदिवासी समाज के तत्वावधान में रावण भाटा डिहीपारा से केशकाल बस स्टैंड तक विशाल शांतिपूर्ण रैली निकाली गई। रैली पुनः मंच पर वापस आकर संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्व आदिवासी समाज के ब्लाक अध्यक्ष फरसू राम सलाम ने की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केशकाल क्षेत्रीय विधायक नीलकंठ टेकाम उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रमुख बिंदु:(1) 3 करोड़ के भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा केशकाल ब्लाक के लिए सर्व आदिवासी समाज भवन निर्माण हेतु 3 करोड़ रुपए की घोषणा की गई थी। आज उसी भूमि पर क्षेत्रीय विधायक नीलकंठ टेकाम के कर कमलों से विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। समाज ने इस घोषणा के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। (2) पांच नए चौंक चौराहों का भूमि पूजन एवं नामकरण किया गया । नगर पंचायत केशकाल के अंतर्गत पांच प्रमुख चौराहों का भूमि पूजन ब्लाक अध्यक्ष फरसू राम सलाम एवं नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी लाल सोरी के द्वारा किया गया। साथ ही इन पांच चौराहों को आदिवासी महापुरुषों के नाम पर आरक्षित, व्यवस्थित एवं शासकीय अभिलेख में दर्ज करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व केशकाल को ज्ञापन सौंपा गया। भूमि पूजन के साथ सर्व आदिवासी एवं बुढ़ा देव का झंडा फहराने तथा निर्धारित स्थानों पर खूंटा गाड़ने की परंपरागत रस्म भी निभाई गई। नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी लाल सोरी ने कहा पूरे समाज को ध्यान में रखते हुए यह चौराहों का भूमि पूजन किया गया है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों को विशेष रूप से ध्यान में रखा गया है।÷ 3. सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सामाजिक संदेश रैली के बाद मंच पर आदिवासी संस्कृति पर आधारित पारंपरिक नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किए गए। मातृशक्तियों, युवा पीढ़ी एवं समाज के वक्ताओं ने विचार रखे। वक्ताओं ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, नशा मुक्ति, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने तथा परंपरागत खेती पद्धति को पुनर्जीवित करने पर विशेष जोर दिया।

4. प्रमुख मांगें- सभा में सर्वसम्मति से निम्न मांगें रखी गईः बस्तर संभाग को पेसा कानून के क्षेत्र में रखा जाए वन अधिकार अधिनियम एवं पेसा कानून का प्रभावी क्रियान्वयन हो। आदिवासी समाज को नगरीय निकायों से दूर रखा जाए । मूल संस्कृति, परंपरा एवं प्रकृति की रक्षा की जाए आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग केंद्र सरकार से की जाए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं एवं विभिन्न गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी सगाजनों ने एक-दूसरे को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन एवं भाईचारे का माहौल रहा। अंत में सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, समाजजनों एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

शहडोल स्टेशन में मिक्स कोयले की खुली नीलामी 19 अगस्त 2026 को

बिलासपुर। शहडोल स्टेशन यार्ड में रखे लगभग 850 टन मिक्स कोयले की खुली नीलामी दिनांक 19 अगस्त 2026 (बुधवार) को 12.30 बजे शहडोल रेलवे स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में में आयोजित की जाएगी। यह नीलामी सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के अनुसार संपन्न होगी। इच्छुक व्यक्ति, फर्म एवं संस्थान निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर इस नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने सकते हैं । नियमानुसार सर्वोच्च बोलीदाता के पक्ष में नीलामी स्वीकृत की जाएगी। नीलामी में सफल बोलीदाता को क्रय किए गए कोयले के संपूर्ण मूल्य के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान नकद अथवा डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) के माध्यम से नीलामी स्थल पर ही करना होगा। साथ ही, सफल बोलीदाता को नीलामी की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपने जोखिम एवं व्यय पर संबंधित कोयले को रेलवे परिसर से हटाना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि के भीतर सामग्री नहीं हटाए जाने अथवा इसके संबंध में उत्पन्न किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी का वहन रेलवे प्रशासन द्वारा नहीं किया जाएगा।

सागौन बाड़ी में महिला की अर्धनग्न व जली हुई लाश मिलने से इलाके में फैली सनसनी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। डूमरमुड़ा गांव की सागौन बाड़ी में एक अज्ञात महिला की अर्धनग्न और जली हुई लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की हालत देखकर प्रथम दृष्ट्या मामला संदिग्ध माना जा रहा है। घटनास्थल पर टूटी हुई चूड़ियां और बिखरे रुपये मिलने से पुलिस भी कई एंगल से जांच में जुट गई है। घटना की जानकारी मिलते ही कटघोरा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद शव का पंचनामा कराया और उसे कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित रखवाया है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। सागौन बाड़ी में महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में जला हुआ मिला। घटनास्थल पर महिला की टूटी हुई चूड़ियां और कुछ रुपये भी बिखरे हुए पाए गए। इन परिस्थितियों ने पूरे मामले को और रहस्यमय बना दिया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। महिला की पहचान कौन है, वह वहां कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, पुलिस इन सभी सवालों के जवाब तलाश रही है। शव की संदिग्ध स्थिति को देखते हुए दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, इस संबंध में अभी पुलिस की ओर से किसी निष्कर्ष की पुष्टि नहीं की गई है। महिला के साथ वास्तव में क्या हुआ, इसका खुलासा पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को जुटा रही है और आसपास के इलाकों में भी पूछताछ की जा रही है। महिला की पहचान होने के बाद जांच को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है।महिला की हत्या के बाद शव को जलाने की कोशिश की गई या महिला की मौत किसी अन्य परिस्थिति में हुई, यह भी जांच का अहम बिंदु है। पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि घटनास्थल पर आग कैसे लगाई गई और शव को वहां लाने वाला कौन था।

सावन सोमवार पर कनकीधाम जाने वाले कांवड़ियों की सुरक्षा में तैनात रहेगी पुलिस, उपद्रवियों पर होगी सख्त कार्रवाई

कोरबा । सावन महीने में कांवड़ यात्रा को देखते हुए कोरबा पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष तैयारी की है। प्रत्येक सावन सोमवार को कनकीधाम जाने वाले कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस पेट्रोलिंग टीम तैनात की जाएगी। इसके साथ ही चैक-चैराहों और संवेदनशील मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले वर्षों में सावन सोमवार के दौरान कुछ बाइकर्स द्वारा फटे साइलेंसर, तेज आवाज में डीजे और तेज रफ्तार से वाहन चलाकर उत्पात मचाने की शिकायतें सामने आई थीं। ऐसे मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई लोगों को जेल भेजा था। उन्होंने कहा कि इस बार भी ऐसे लोगों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। शराब पीकर वाहन चलाने, तेज रफ्तार, मारपीट, छेड़छाड़, अभद्रता और शांति भंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सावन सोमवार के दौरान श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हिंदू नारायणी सेना के प्रमुख अरविंद अग्रवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कोरबा एसपी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कनकीधाम जाने वाले मार्ग पर श्रद्धालुओं के साथ कथित छेड़छाड़, मारपीट और अभद्रता की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की गई। इसके अलावा तेज आवाज में डीजे बजाने और फटे साइलेंसर वाली बाइकों से धार्मिक वातावरण खराब होने की शिकायत भी की गई।

बिलासपुर प्रेस क्लब के 'पहुना' कार्यक्रम में सवन्नी ने साझा किया विद्यार्थी जीवन से राजनीतिक सफर तक का अनुभव

जनसंघ से जुड़े पिता बने प्रेरणा,पार्टी कार्यकर्ता बने राजनीतिक गुरु-भूपेंद्र सवन्नी

बिलासपुर। विद्यार्थी जीवन से राजनीतिक संगठन में सक्रिय होकर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष संगठनात्मक दायित्वों तक पहुंचने वाले जमीनी नेता और क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने रविवार को बिलासपुर प्रेस क्लब के पारंपरिक कार्यक्रम 'पहुना' में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने जीवन परिचय, पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि, संगठनात्मक संघर्ष और विभिन्न दायित्वों के दौरान मिले अनुभवों को खुलकर साझा किया। सवन्नी ने कहा कि राजनीति में आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षा हर व्यक्ति के भीतर होती है, लेकिन आगे की दिशा पार्टी के निर्णय और संगठन की जिम्मेदारी के आधार पर ही तय होती है। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा का श्रेय अपने पिता स्वर्गीय इन्द्रसेन सवन्नी को देते हुए कहा कि उनके पिता बिल्हा क्षेत्र में जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में रहे और उनकी राजनीतिक सक्रियता ही उनके लिए प्रेरणा बनी। उन्होंने बताया कि वर्ष 1987 में पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने सक्रिय रूप से पार्टी के लिए काम करना शुरू किया। उस समय बिल्हा में पहली बार जनसंघ की ओर से सरपंच निर्वाचित हुआ था। जीत के बाद निकली विजय रैली से प्रभावित होकर उन्होंने एक छोटे कार्यकर्ता के रूप में संगठन से

जुड़कर काम शुरू किया। विद्यार्थी जीवन में भी उन्हें चुनावों के दौरान एजेंट के रूप में जिम्मेदारियां दी जाती थीं।

वार्ड अध्यक्ष से प्रदेश महामंत्री तक का सफर

भूपेंद्र सवन्नी ने बताया कि पारिवारिक पृष्ठभूमि और लगातार सक्रियता के चलते उन्हें संगठन में अलग-अलग जिम्मेदारियां मिलती गईं। वार्ड अध्यक्ष और नगर अध्यक्ष जैसे दायित्वों के बाद वर्ष 1993 में बिल्हा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। इसी दौरान बिल्हा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में धरमलाल कौशिक को टिकट मिला और उन्हें चुनाव संचालन की जिम्मेदारी संभालने का अवसर मिला। उस चुनाव में भाजपा को करीब 187 मतों से हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 1998 में उन्हें दोबारा चुनाव संचालन की जिम्मेदारी मिली। संगठन में उनकी सक्रियता और कार्यकुशलता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें भाजपा जिला महामंत्री का दायित्व सौंपा। उन्होंने बताया कि उस दौर में बिलासपुर जिले में 9 विधानसभा सीटें हुआ करती थीं, जिनमें भाजपा ने 6 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्हें भाजपा जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। संगठनात्मक कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने के बाद वर्ष 2010 में जिलाध्यक्ष से प्रदेश महामंत्री का दायित्व सौंपा गया। वर्ष 2013 में पार्टी ने उन्हें दोबारा प्रदेश महामंत्री बनाया और वर्ष 2020 में तीसरी बार यह जिम्मेदारी दी गई।

30 लाख ऑनलाइन सदस्य बनाने के लक्ष्य की मिली जिम्मेदारी

भूपेंद्र सवन्नी ने बताया कि भाजपा के ऑनलाइन सदस्यता अभियान के दौरान उन्हें छत्तीसगढ़ प्रभारी बनाया गया था। प्रदेश में 30 लाख नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। इसके बाद संगठन ने उन्हें पार्टी प्रवक्ता का दायित्व सौंपा। आगे चलकर उन्हें हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन की जिम्मेदारी भी मिली। हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के भव्य शुभारंभ का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि नया रायपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में योजना का शुभारंभ कराया गया था।

वंदे मातरम् और हर घर तिरंगा अभियान को मिली नई गति....

- कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने जिला कार्यालय से किया हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ

बिलासपुर। वंदे मातरम् और हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और देशभक्ति की भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से आज जिला कार्यालय परिसर में हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने अभियान के प्रति जनभागीदारी का संदेश देते हुए सेल्फी भी ली। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने जिलेवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागी बनने तथा अपने घरों में सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल हमारे देश की पहचान नहीं, बल्कि यह हमारे गौरव, एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। वंदे मातरम् की भावना के साथ हर नागरिक का जुड़ाव राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करता है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल ने भी हस्ताक्षर अभियान में सहभागिता करते हुए अभियान को समर्थन दिया। जिला कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, मीडिया प्रतिनिधियों और जनदर्शन में पहुंचे नागरिकों ने भी हस्ताक्षर कर राष्ट्रप्रेम और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना के साथ अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जिले में वंदे मातरम् और हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक जन भागीदारी के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफएक्सीलेंस में गूंजा देशभक्ति का जज्बा, निकली तिरंगा यात्रा...........

- हर घर तिरंगा' अभियान के तहत खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

बिलासपुर। हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत बहतराई स्थित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में सेंटर के खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। हाथों में तिरंगा लेकर निकले खिलाड़ियों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा परिसर देशभक्ति के उत्साह से सराबोर नजर आया। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ तिरंगा लहराते हुए राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने और नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित इस आयोजन का उद्देश्य खिलाड़ियों और युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना जागृत करना रहा। आयोजन के माध्यम से 'हर घर तिरंगा' अभियान के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित करने का प्रयास किया गया।

स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर.... बेलतरा में हरेली उत्सव का आयोजन किया गया

बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर, बेलतरा में आज दिनांक 11 अगस्त 2026 को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक एवं लोकपर्व हरेली के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि परंपरा, लोक संस्कृति एवं पारंपरिक त्यौहारों से जोड़ना हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी का पूजा-अर्चना के साथ किया गया। विद्यालय परिसर में हरेली पर्व की पारंपरिक झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक पर्व में सहभागिता की। हरेली पर्व के अवसर पर छोटे बच्चों के लिए नारियल फेंक प्रतियोगिता जिसमें नमन नेताम ने प्रथम स्थान तथा बड़े बच्चों के लिए कबड्डी प्रतियोगिता

का आयोजन किया गया। कबड्डी में ब्रजेश, कान्हा, आयुष, टिकेश्वर, निखिल, शिवांश, मयंक, अभिनव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और मयंक, रोमी, सोम, अंश, चंद्रशेखर, नैतिक, नीतीश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और कान्हा, तेजस, शिवेश, सत्यजीत, साहिल, तुषार, पीयूष, आयु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । बच्चों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कबड्डी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी शारीरिक क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य एवं निर्देशक गगन कुमार कौशिक ने कहा कि हरेली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह हमारी माटी, किसान, कृषि परंपरा और छत्तीसगढ़ी संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने का प्रयास किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं डुले स्वर भारती, शांति, वर्षा, पूर्णिमा, दीप्ति, आरती, प्रिया, प्रीति, माधुरी, अंजना, अंजली एवं विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा। पूरा विद्यालय परिसर संस्कृति, खेल और उत्साह के साथ मनाएं हरेली का पर्व के संदेश से उत्साहमय रहा।

निजी स्कूलों में पाठ्यपुस्तक वितरण में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त

स्कूल प्रबंधनों को शो-कॉज नोटिस, जवाब के साथ विशेष बैठक में उपस्थित होने के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने निजी स्कूलों द्वारा शासन की ओर से उपलब्ध कराई गई पाठ्यपुस्तकों का उठाव नहीं किए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने संबंधित निजी स्कूल प्रबंधनों को शो-कॉज नोटिस जारी करने तथा नोटिस के जवाब के साथ जिला कलेक्टोरेट में विशेष बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर आज जिला कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक टीएल बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों को समय पर पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। शासकीय स्कूलों में पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश वितरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। ऐसे में निजी स्कूलों द्वारा पुस्तकों का उठाव नहीं किया जाना गंभीर विषय है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इसकी निगरानी करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कोचिंग संस्थानों की होगी लिस्टिंग और पंजीयन- कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिला मुख्यालय में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों की लिस्टिंग एवं पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिलासपुर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में जाना जाता है। बड़ी संख्या में युवा यहां रहकर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे में कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था, आवश्यक सुविधाओं तथा निर्धारित मानकों के पालन की जानकारी संधारित करने और उनकी कार्यप्रणाली के लिए एसओपी की जानकारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

13 अगस्त तक पूरी हों स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां- बैठक में कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही करने दिए निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल एवं एडीएम शिव कुमार बनर्जी ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए विकासखंड कोटा के ग्राम रैनपुर कर्रा निवासी भरत लाल केवट ने आम निस्तारी के लिए रास्ते को अवैध कब्जे से मुक्त कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि मुख्य गली में बांस गाड़ने, गोबर का घूरवा रखने एवं अन्य अवरोधों के कारण मार्ग संकरा हो गया है, जिससे किसानों के ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों के आवागमन में परेशानी हो रही है। उन्होंने राजस्व मौके पर जांच कर अतिक्रमण हटाने की मांग की। नयापारा की गजबाई कुर्रे ने अपने श्रमिक कार्ड में संशोधन कराने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि श्रमिक कार्ड में त्रुटि होने के कारण उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आवश्यक संशोधन कर लाभ दिलाने का अनुरोध किया। रमतला निवासी बलहीन बाई ने आर्थिक सहायता के लिए कलेक्टर के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बिजली करंट की चपेट में आने से उन्हें उपचार कराना पड़ा, जिसमें काफी खर्च हुआ। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उन्होंने उपचार हेतु लिए गये कर्ज चुकाने के लिए प्रशासन से आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की। रतनपुर क्षेत्र की करैहापारा की देहुती बाई ने अपना बंद राशन कार्ड पुनः चालू कराने की

मांग करते हुए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि राशन कार्ड बंद होने से परिवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने पात्रता के आधार पर राशन कार्ड पुनः सक्रिय करने का अनुरोध किया। वार्ड क्रमांक-18, तिलक नगर निवासी योगेश दीक्षित ने अपने घर परिसर में स्थित लगभग 30 वर्ष पुराने नारियल के पेड़ को हटाने की मांग की। उन्होंने बताया कि हाल ही में बिजली गिरने से पेड़ का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। मस्तूरी विकासखंड के ग्राम पंचायत दर्राभांठा निवासी देवसिंह सोनवानी ने आंगनबाड़ी भवन निर्माण में अनियमितता एवं शासकीय राशि के उपयोग की जांच की मांग की। आवेदन में उल्लेख किया गया कि भवन निर्माण के लिए राशि आहरित किए जाने के बावजूद निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ है तथा बच्चों को जर्जर भवन में संचालित आंगनबाड़ी में बैठना पड़ रहा है। उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। रतनपुर निवासी रामकुमार मण्डलोई ने स्टेट बैंक से संबंधित ऋण प्रकरण में शिकायत प्रस्तुत करते हुए बैंक द्वारा एनओसी जारी होने के बाद भी संपत्ति के मूल दस्तावेज वापस नहीं किए जाने की बात कही। उन्होंने दस्तावेज शीघ्र उपलब्ध कराने तथा आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया। तखतपुर तहसील के ग्राम केकती के पेखन राम यादव ने बताया कि खम्हरिया से दैजा मार्ग के चौड़ीकरण के लिए उनकी भूमि के एक हिस्से का अधिग्रहण किया गया था। अधिग्रहित भूमि का मुआवजा अब तक नहीं मिला है। उन्होंने अधिग्रहित भूमि का शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की है। रतनपुर तहसील के बांसाझाल निवासी भरत सिंह ने आवेदन देकर बताया कि उनकी कृषि भूमि नाले में डूब क्षेत्र में आने से प्रभावित हुई है।

सावन में इन फूलों से करें भगवान शिव का श्रृंगार

सावन का महीना भगवान शिव की उपासना के लिए सबसे श्रेष्ठ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पूरे मास में की गई शिव आराधना कई गुना अधिक फलदायी होती है। भक्त इस दौरान जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, पंचामृत, बेलपत्र, धतूरा और विभिन्न पुष्प अर्पित कर भोलेनाथ को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। शिव पुराण में उल्लेख मिलता है कि भगवान शिव को श्रद्धापूर्वक अर्पित किए गए प्रत्येक पुष्प का अपना अलग आध्यात्मिक महत्व और फल है। मान्यता है कि अलग-अलग पुष्प अलग-अलग मनोकामनाओं की पूर्ति का माध्यम बनते हैं। आइए जानते हैं कि कौन-सा पुष्प किस कामना के लिए भगवान शिव को अर्पित किया जाता है।

पूरी होंगी हर मनोकामनाएं

मंदार का पुष्प
शिवजी को मंदार (मदार) का पुष्प अर्पित करने से बल, बुद्धि और धन की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यता है कि यह पुष्प रोगों और शत्रुओं के भय को दूर करता है। विशेष रूप से मदार के फूल चढ़ाने से नेत्र और हृदय संबंधी स्वास्थ्य में शुभ फल प्राप्त होने की मान्यता भी बताई गई है।

कनेर
कनेर के पुष्प भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माने गए हैं। शिव पुराण के अनुसार इनसे पूजा करने पर भक्त की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होती है। साथ ही उत्तम वस्त्र एवं सम्मान की प्राप्ति का भी उल्लेख मिलता है।

धतूरा
धतूरा भगवान शिव का अत्यंत प्रिय अर्पण माना जाता है। मान्यता है कि धतूरे के पुष्प चढ़ाने से भय, चिंता और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है। साथ ही विषैले जीवों के भय से भी सुरक्षा प्राप्त होने का धार्मिक विश्वास है।

आक के पुष्प
आक के पुष्पों से भगवान शिव की पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धापूर्वक इन्हें अर्पित करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है तथा परिवार में सुख, शांति और सौहार्द बना रहता है।

चमेली
चमेली के सुगंधित पुष्प भगवान शिव को अर्पित करने से मन को शांति और सुकून मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे मानसिक तनाव कम होता है और व्यक्ति प्रसन्नचित रहता है। साथ ही वाहन सुख की प्राप्ति भी होती है।

बिल्वपत्र
भगवान शिव की पूजा बिल्वपत्र के बिना अधूरी मानी जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि बिल्वपत्र अर्पित करने से पापों का क्षय होता है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव पुराण में उल्लेख मिलता है कि एक लाख बिल्वपत्र श्रद्धापूर्वक अर्पित करने वाला साधक अपनी काम्य वस्तुओं की प्राप्ति करता है।

कमल
कमल का पुष्प अर्पित करने से धन, वैभव और समृद्धि की प्राप्ति होने की मान्यता है। साथ ही यह पूजा साधक को आध्यात्मि क उन्नति की ओर भी अग्रसर करती है।

नीलकमल
नीलकमल भगवान शिव को अर्पित करने का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे अद्भुत साहस, आत्मबल और आध्यात्मिक जागृति प्राप्त होती है। यह साधक को जीवन में ऊँचे लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा भी देता है।

सावन में क्यों नहीं खानी चाहिए कढ़ी?

सावन का महीना शुरू होते ही मंदिरों में 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारे गूंजने लगते हैं। शिवालयों में जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी कतारें दिखाई देती हैं और घर-घर में व्रत, पूजा और शिव आराधना का माहौल बन जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस पवित्र महीने में कई घरों में कढ़ी क्यों नहीं बनाई जाती? आखिर दही और बेसन से बनने वाली यह लोकप्रिय डिश सावन में खाने से लोग क्यों बचते हैं? इसके पीछे एक धार्मिक मान्यता जुड़ी हुई है।

सावन के महीने में होती है भोलेनाथ की पूजा
धार्मिक मान्यता है कि देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए क्षीरसागर में शेषनाग की शैया पर योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस अवधि में सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव को सौंपा जाता है। यही कारण है कि सावन का पूरा महीना भोलेनाथ की विशेष आराधना के लिए समर्पित माना जाता है।

ये चीजें मानी जाती हैं पूजा के लिए पवित्र
इस दौरान शिव भक्त भगवान शिव को कच्चा दूध, दही और बाकी दुग्ध पदार्थ अर्पित करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार ये सभी चीजें पूजा के लिए काफी पवित्र मानी जाती है। इसलिए कई लोग पूरे सावन इनका सेवन करने से परहेज करते हैं। चूंकि कढ़ी बनाने में दही का उपयोग किया जाता है, इसलिए इस महीने इसे न खाने की परंपरा प्रचलित है।

सावन में इसलिए नहीं खानी चाहिए कढ़ी?
धार्मिक मान्यता है कि सावन केवल पूजा-पाठ करने का महीना नहीं है, बल्कि यह आत्म संयम, सादगी और सात्विक जीवन अपनाने का भी संदेश देता है। यही वजह है कि इस दौरान लोग हल्का, शुद्ध और आसानी से पचने वाला भोजन करना पसंद करते हैं। मान्यता है कि ऐसा भोजन शरीर और मन दोनों को शांत रखता है, जिससे भगवान शिव की भक्ति और पूजा में मन अधिक एकाग्र रहता है।

खट्टा खाने से रहते हैं दूर
इसके अलावा सावन में अधिक खट्टे और भारी भोजन से बचने की भी सलाह दी जाती है। कढ़ी दही से बनती है और इसका स्वाद खट्टा होता है। यही वजह है कि कई लोग धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए पूरे सावन इसे अपने भोजन से दूर रखते हैं। हालांकि, यह एक धार्मिक मान्यता है और इसका पालन पूरी तरह व्यक्ति की आस्था और परंपरा पर निर्भर करता है। जो लोग इन मान्यताओं का पालन करते हैं, वे सावन में सात्विक भोजन और भगवान शिव की भक्ति को विशेष महत्व देते हैं।

बरसात में बीमारी से बचाएंगे पेय पदार्थ

बारिश यानि बरसात का मौसम, बेहद सुहाना और लुभावना होता है। इस मौसम में ही आउटिंग और खाने-पीने का अपना ही मजा है। लेकिन इसी मौसम में स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है, ताकि मौसम का लुत्फ और रोमांच कहीं कम न हो जाए। हम आपको बता रहे हैं, कुछ ऐसे टिप्स, जो आपको स्वस्थ रखने में मदद करेंगे - बरसात के मौसम में बीमारियों का प्रकोप अधिक होता है और आसानी से इनकी चपेट में आ जाते हैं। इन प्रकार के पेय पदार्थों का सेवन आपको बरसात की बीमारियों से बचा सकता है, जानिए

पानी पिएं उबाल कर - बारिश के दिनों मे मौसमी बीमारियों का संक्रमण अधिक होता है, और अनदेखे बैक्टीरिया से आपका पाला पड़ता रहता है। इस तरह के बैक्टीरिया सबसे ज्यादा नमी वाली जगह एवं पानी में होते है। इसीलिए पानी को हमेशा उबालकर पिएं, जिससे बीमार होने का खतरा कम होगा।

चाय - ग्रीन टी हो, ब्लैक टी या फिर अदरक और दालचीनी वाली गर्म चाय , आपको बारिश में बीमार पड़ने से जरूर बचा सकती है, इसलिए इनका सेवन करने से परहेज न करें।

सूप - सूप हमेशा से ही हेल्थ के लिए एक बेहतरीन विकल्प रहा है, इसलिए आप बेझिझक अपनी पसंद के गर्मागर्म सूप का सेवन करें, और बरसात में स्वस्थ रहें।

दालचीनी का पानी - दालचीनी को पानी के साथ उबालकर तैयार किए गए पानी का उपयोग बारिश के मौसम में आपको बीमारियों से बचाता है, तो यह एक अच्छा विकल्प है।

तुलसी का काढ़ा - बारिश में भीग चुके हैं, तो सर्दी लगना या बीमार पड़ना तय है। लेकिन तुलसी का काढ़ा आपको बीमार पड़ने से बचा सकता है। आप चाहें तो इसमें गुड़, अदरक या लौंग का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन मात्रा कम ही रखें।

फलों को काट कर न रखें - फलों को कभी काटकर न रखें, इसके बजाए आपको जब भी फल काटना या परोसना हो, तब तुरंत ही उन्हें काटें। फलों को काटकर रखने से नमी के कारण बैक्टीरिया संक्रमण पैदा करते हैं, जिसे खाने पर आप बीमार हो सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज करियर और रोजगार के क्षेत्र में किस्मत आपका पूरा साथ देगी। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है, जबकि कार्यक्षेत्र में भी आपकी मेहनत रंग लाएगी। मामा पक्ष से आर्थिक सहयोग या धन लाभ मिलने के योग हैं, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी अड़चन दूर करने के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह फायदेमंद साबित होगी।

वृषभ राशि - आज का दिन खुशियों और संतोष से भरा रहेगा। आय के एक से अधिक स्रोत बनने से आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी और कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से मन बेहद प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों और ईश्वर की भक्ति में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति का अनुभव होगा। संतान के व्यवहार या भविष्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, लेकिन आपकी समझदारी से स्थिति संभल जाएगी।

मिथुन राशि - आज व्यापार और करियर में बड़ा कदम उठाने का अवसर मिल सकता है। लंबे समय से रुकी हुई कोई डील या योजना आखिरकार पूरी होने की संभावना है। नए अवसर आपके सामने दस्तक देंगे और आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। संतान की पढ़ाई से जुड़ी परेशानियां दूर होंगी, जिससे परिवार में राहत का माहौल रहेगा। आर्थिक मामलों में थोड़ा सतर्क रहें और बिना सोचे-समझे किसी को पैसा उधार देने से बचें।

कर्क राशि - आज खर्चों पर नियंत्रण रखना आपकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। सुख-सुविधाओं और लाइफस्टाइल पर बढ़ता खर्च बजट बिगाड़ सकता है, इसलिए समझदारी से फैसले लें। किसी करीबी मित्र के साथ छोटी-सी बात पर मतभेद हो सकता है, इसलिए शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा, लेकिन किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें।

सिंह राशि - आज आर्थिक मामलों में खुशखबरी मिलने की पूरी संभावना है। यात्रा लाभदायक रहेगी और आय में वृद्धि के नए रास्ते खुल सकते हैं। लंबे समय से रुके हुए सरकारी कार्य पूरे होने से राहत मिलेगी। आपकी मेहनत और लगन का पूरा फल मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार पूरे परिवार के चेहरे पर मुस्कान ले आएगा। पैतृक संपत्ति से जुड़े मामलों में भी सफलता के संकेत हैं।

कन्या राशि - आज सफलता आपके कदम चूम सकती है। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है तो उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। आय में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कठिन परिस्थितियों में भी आपका धैर्य आपको आगे बढ़ाएगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

तुला राशि- आज व्यापार और करियर में आपके प्रयास शानदार परिणाम दे सकते हैं। जिस काम को पूरी लगन से करेंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना प्रबल रहेगी। परिवार में चल रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी और घर का वातावरण सुखद बनेगा। आपको सौंपी गई जिम्मेदारियां आप बखूबी निभाएंगे। माता-पिता की सलाह आपके लिए सफलता का मार्ग खोल सकती है।

वृश्चिक राशि – आज थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। वाहन से जुड़ी कोई छोटी परेशानी या अचानक खर्च सामने आ सकता है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें और खानपान पर विशेष ध्यान दें। जीवनसाथी का सहयोग और प्रेम आपको हर परिस्थिति में मजबूत बनाए रखेगा। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें। संतान के भविष्य से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपका दिन यादगार बना सकती है।

धनु राशि- आज सफलता आपकी ओर तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। व्यापार में लाभ होगा और नए लोगों से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकती है। कोई सरप्राइज उपहार या सुखद समाचार आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होने से राहत मिलेगी। नौकरी बदलने या नई नौकरी मिलने के अवसर भी बन सकते हैं।

मकर राशि - आज का दिन धैर्य और समझदारी के साथ आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत अंत में सफलता दिलाएगी। पुराने लेन-देन थोड़ी परेशानी खड़ी कर सकते हैं। माता-पिता का आशीर्वाद और सहयोग आपके रुके हुए कामों को पूरा कराने में मदद करेगा। वरिष्ठ लोगों से बातचीत करते समय संयम रखें।

कुंभ राशि- आज व्यापार और करियर में प्रगति के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी या अवसर हाथ लग सकता है, जो भविष्य में लाभदायक साबित होगा। दूसरों के विवादों से दूरी बनाए रखें और अपने काम पर पूरा ध्यान दें। विद्यार्थियों के लिए नई चीजें सीखने और आगे बढ़ने का बेहतरीन समय है। पिता के साथ बातचीत में सम्मान और संयम बनाए रखें।

मीन राशि- आज आपके नए सपनों को उड़ान मिलने का समय है। घर, जमीन या संपत्ति से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और सहयोग बढ़ेगा। परिवार में लंबे समय से चली आ रही परेशानियां खत्म होने से घर का माहौल सुखद रहेगा। मां के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक चर्चा हो सकती है। यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

नवजात की इन आदतों से न घबराएं पेरेंट्स...

किसी भी कपल के लिए पेरेंट्स बनना जितना सुखद अहसास होता है, उतना चैलेंजिंग भी। नवजात को कैसे हैंडल करना है, कैसे देखभाल करनी है। ऐसे कई सवाल हर किसी के मन में आते हैं। कई बार तो बच्चों की छोटी सी हरकत पर माता-पिता परेशान हो जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। मशहूर, बाल रोग विशेषज्ञ के अनुसार, बच्चों में ऐसे 9 बदलाव होते हैं, जिन्हें देखकर पैनिक होने की जरूरत नहीं है बल्कि यह उनके विकास का हिस्सा है। आइए जानते हैं उन आदतों के बारे में।

■ बार-बार छींक आना
बच्चे को दो-तीन छींक आने पर माता-पिता सर्दी-खांसी की दवाइयां ढूंढने लगते हैं, हालांकि ऐसा नहीं होता है।
जन्म के बाद बच्चे अपने नेजल पैसेज को साफ कर रहे होते हैं, जो बाहरी वातावरण में ढलने में मदद करता है। अगर आपके बेटे को जुकाम भी है तो फिर डॉक्टर से संपर्क करें।

■ बच्चों को हिचकी आना
अगर नवजात को हिचकी आ रही है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह बीमार या फिर किसी परेशानी में है। बार-बाहर हिचकी आने से बेबी को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। यह अक्सर उनके डेवलप हो रहे डायाफ्राम की वजह से होता है।

■ सोते समय चौंक जाना
हर बच्चा सोते समय चौंक जाता है। इसे स्टार्टल रिफलेक्स कहा जाता है। यह पूरी तरह से नॉर्मल है और यह दर्शाता है कि बच्चे का न्यूरोलॉजिकल विकास पूरी तरह से हो रहा है।

■ सोते समय सांस से आवाज लेना
कई बार सांस से आवाज आना माता-पिता सीने में जकड़न समझ लेते हैं, लेकिन ऐसा नहीं होता है। ऐसे इसलिए भी होता है क्योंकि वे धीरे-धीरे बाहरी दुनिया में सास लेना सीख रहे होते हैं।

■ आंखों का तिरछा करना
कई बार बच्चों की आंखे देखने में थोड़ी तिरछी लगती है। शुरुआत में ऐसा होना नॉर्मल है, क्योंकि धीरे-धीरे ही आंखों की मांसपेशियां मजबूत होती है। समय के साथ यह खुद ठीक हो जाती है।

■ बच्चों की स्किन निकलना
शुरुआती 1 महीने में ज्यादातर बच्चों की त्वचा की पहली निकलती है। यह बहुत आम घटना है, जब तक बेबी स्किन ड्राई या कटी-फटी न हो तो किसी भी तरह की लोशन या क्रीम लगाने की जरूरत नहीं है।

■ अनियमित पॉटी
शिशुओं की पॉटी का रंग पीला या हरा हो सकता है। ऐसे में घबराने की जरूरत नहीं है। इतना ही नहीं, कई दिनों तक पॉटी क न होना भी सामान्य हो सकता है। जरूरी है कि बच्चा एक्टिव हो और उसका वजन सही तरीके से बढ़ रहा हो।

■ क्रैडल कैप होना
बच्चों के सिर पर अक्सर पीले रंग की पपड़ीदार पैच दिखाई देता है। यह पूरी तरह से सामान्य है। हल्के हाथों से धोने और कंघी करने से यह साफ हो जाता है। हालांकि, यह साफ करने के बाद वापस आ रहा है तो डॉक्टर से संपर्क करें।

बालों के लिए कौन-से योगासन करें?

लंबे, घने और मजबूत बालों की चाहत हर कोई रखता है. बाल हमारी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं. हालांकि, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बाल झड़ना एक आम समस्या बन गई है. तनाव, गलत खानपान, कम नींद, प्रदूषण और खराब लाइफस्टाइल का असर सबसे पहले बालों पर दिखाई देता है. ऐसे में लोग बालों को मजबूत बनाने और हेयर ग्रोथ को बढ़ाने के लिए तमाम तरह के महंगे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप नेचुरल तरीके अपनाकर भी अपने बालों की ग्रोथ को बेहतर कर सकते हैं? इसके लिए आप योगा की मदद ले सकते हैं. आइए जानते हैं योग कैसे आपके बालों पर असर डालता है, साथ ही जानेंगे कौन से योगासन करने से आपको अच्छे रिजल्ट्स देखने को मिल सकते हैं.

कुछ योगासन करने से स्कैल्प में ब्लड फ्लो बढ़ाने में मदद मिल सकती है, जिससे बालों को जरूरी पोषण अच्छी मात्रा में मिलता है. आइए जानते हैं बालों के लिए कौन-से योगासन सबसे अच्छे हैं-

लंबे, घने और मजबूत बालों की चाहत हर कोई रखता है। बाल हमारी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। हालांकि, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बाल झड़ना एक आम समस्या बन गई है। ऐसे में लोग बालों को मजबूत बनाने और हेयर ग्रोथ को बढ़ाने के लिए तमाम तरह के महंगे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप नेचुरल तरीके अपनाकर भी अपने बालों की ग्रोथ को बेहतर कर सकते हैं? इसके लिए आप योगा की मदद ले सकते हैं। आइए जानते हैं योग कैसे आपके बालों पर असर डालता है, साथ ही जानेंगे कौन से योगासन करने से आपको अच्छे रिजल्ट्स देखने को मिल सकते हैं।

योगा करने से सीधे तौर पर नए बाल नहीं उगते हैं। लेकिन इससे तनाव कम करने और सिर की त्वचा में ब्लड फ्लो बेहतर करने में मदद मिलती है। बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजहों में से एक तनाव भी है।

जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक तनाव में रहता है, तो इसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। शरीर में ऐसे बदलाव होने लगते हैं जो बालों की ग्रोथ को धीमा कर सकते हैं और बालों के झड़ने की समस्या बढ़ा सकते हैं। योग करने से शरीर और दिमाग दोनों को आराम मिलता है। वहीं, जब तनाव कम होगा, तो उसका असर बालों पर भी नजर आएगा। इसके अलावा योग करने से पूरी बॉडी बेहतर तरीके से काम करती है, जिसका फायदा भी बालों को मिल सकता है।

बैंगन रेसिपी

बैंगन पिज्जा
अगर बच्चे पिज्जा पसंद करते हैं, तो बैंगन से बना हेल्दी पिज्जा उनके लिए बेहतरीन विकल्प है। मोटे गोल स्लाइस में कटे बैंगन को हल्का ग्रिल करें। ऊपर पिज्जा सॉस, शिमला मिर्च, प्याज, स्वीट कॉर्न और मोजरेला चीज डालें। 10-12 मिनट तक बेक या पैन में ढककर पकाएं। यह कम कार्ब और ज्यादा पोषण वाला स्वादिष्ट स्नैक बनकर तैयार हो जाएगा।

स्टफ्ड बैंगन रोल
बैंगन को लंबाई में पतले स्लाइस में काटकर हल्का ग्रिल कर लें। इसके अंदर पनीर, उबले आलू, गाजर, शिमला मिर्च और मसाले का मिश्रण भरें। अब इसे रोल करके टूथपिक से सेट करें और हल्का सा पैन में सेक लें। यह डिश बच्चों के टिफिन और शाम के स्नैक के लिए शानदार विकल्प है।

बैंगन चीज कटलेट
भुने हुए बैंगन का गूदा निकालकर उसमें उबले आलू, ब्रेड क्रम्ब्स, कद्दूकस किया हुआ चीज, हरी धनिया और मसाले मिलाएं। कटलेट का आकार देकर हल्का तेल लगाकर शैलो फ्राई करें। बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट ये कटलेट बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी बेहद पसंद आएंगे।

बैंगन को स्वादिष्ट बनाने के आसान टिप्स
बैंगन बनाते समय हमेशा ताजा और चमकदार बैंगन चुनें। पकाने से पहले हल्का नमक लगाकर 10 मिनट छोड़ दें, इससे कड़वाहट कम हो जाती है। बच्चों के लिए बनाते समय चीज, पनीर और रंग-बिरंगी सब्जियों का इस्तेमाल करें ताकि स्वाद और पोषण दोनों बढ़ जाएं। कम तेल में पकाने से डिश ज्यादा हेल्दी रहती है।

बैंगन
बैंगन एक ऐसी सब्जी है जिसे लेकर लोगों की राय अक्सर बंटी हुई होती है। कई बच्चों को इसका स्वाद पसंद नहीं आता, इसलिए वे इसे खाने से बचते हैं। लेकिन अगर यही बैंगन थोड़ी नई शैली और अलग अंदाज में बनाया जाए, तो वही बच्चे इसे बड़े मजे से खा लेते हैं।दरअसल, बैंगन में फाइबर, विटामिन C, विटामिन K, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाने, वजन नियंत्रित रखने और दिल की सेहत के लिए भी अच्छा माना जाता है। अगर आप रोज-रोज की बैंगन की सब्जी से ऊब चुके हैं या बच्चों को हेल्दी खाना खिलाने का आसान तरीका ढूंढ रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। यहां हम बैंगन से बनने वाली तीन ऐसी आसान और स्वादिष्ट डिश बता रहे हैं जिन्हें देखकर कोई भी यह नहीं कहेगा कि यह बैंगन से बनी हैं। इन रेसिपी की खास बात यह है कि इन्हें बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता, सामग्री भी आसानी से घर में मिल जाती है और स्वाद ऐसा होता है कि पूरा परिवार दोबारा बनाने की फरमाइश करेगा। आइए जानते हैं बैंगन की तीन बेहतरीन रेसिपी जो स्वाद और सेहत दोनों का शानदार मेल हैं।

छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती 2026 में विज्ञान, जीव विज्ञान और रसायन के पद जोड़ने की मांग, CTET अभ्यर्थियों को भी मिले आवेदन का मौका

भिलाई। छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती 2026 को लेकर अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में विषयवार रिक्त पदों को शामिल करने और आगामी छत्रक्षत्र परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को भी आवेदन का अवसर देने की मांग की है। मंगलवार को भिलाई में आयोजित प्रेसवार्ता में अभ्यर्थियों ने कहा कि वर्तमान भर्ती प्रक्रिया में विज्ञान शिक्षक के पर्याप्त पदों के साथ-साथ जीव विज्ञान व्याख्याता और रसायन व्याख्याता के रिक्त पदों को भी शामिल किया जाना चाहिए। अभ्यर्थियों का कहना है कि शासकीय विद्यालयों में विज्ञान विषय के शिक्षकों एवं व्याख्याताओं की आवश्यकता लगातार बनी हुई है। इसके बावजूद भर्ती प्रक्रिया में विषयवार पदों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने विभाग से सभी विषयों की वास्तविक रिक्तियों का पुनः परीक्षण कर आवश्यकतानुसार पद बढ़ाने और संशोधित भर्ती विज्ञापन जारी करने की मांग की है।

CTET को लेकर अभ्यर्थियों ने उठाई बड़ी आपत्ति- प्रेसवार्ता में अभ्यर्थियों ने CTET को लेकर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में आ रही समस्या को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि आगामी CTET परीक्षा 6 सितंबर 2026 को आयोजित होनी है। बड़ी संख्या में B.Ed. अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं।

अभ्यर्थियों के अनुसार वर्तमान शिक्षक भर्ती के ऑनलाइन आवेदन में CTET Roll Number को अनिवार्य (Required Field) किया गया है। ऐसे में वे अभ्यर्थी जो आगामी CTET परीक्षा में शामिल होंगे, लेकिन आवेदन की वर्तमान अवधि में उनके पास CTET Roll Number उपलब्ध नहीं है, वे शिक्षक भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पा रहे हैं।

अभ्यर्थियों ने कहा कि यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित CTET परीक्षा में शामिल होकर भर्ती प्रक्रिया में तय पात्रता की अंतिम तिथि तक CTET उत्तीर्ण कर लेता है, तो केवल आवेदन के समय Roll Number उपलब्ध नहीं होने के आधार पर उसे भर्ती प्रक्रिया से बाहर करना उचित नहीं है।

उन्होंने मांग की कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में आवश्यक संशोधन कर आगामी CTET में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को भी आवेदन का अवसर दिया जाए। उनकी अंतिम पात्रता का निर्धारण CTET परिणाम जारी होने तथा भर्ती नियमों में निर्धारित पात्रता की अंतिम तिथि के आधार पर किया जाए।

अभ्यर्थियों ने रखीं सात प्रमुख मांगें

प्रेसवार्ता के दौरान अभ्यर्थियों ने सरकार के समक्ष सात प्रमुख मांगें रखीं–

विज्ञान शिक्षक के पर्याप्त पद तत्काल जोड़े जाएं।

जीव विज्ञान व्याख्याता और रसायन व्याख्याता के रिक्त पदों को भर्ती में शामिल किया जाए।

विषयवार वास्तविक रिक्तियों का पुनः परीक्षण कर संशोधित भर्ती विज्ञापन जारी किया जाए।

6 सितंबर 2026 की आगामी CTET परीक्षा में शामिल होने वाले B.Ed. अभ्यर्थियों को भी शिक्षक भर्ती में आवेदन का अवसर दिया जाए।

ऑनलाइन आवेदन में CTET Roll Number की अनिवार्यता में आवश्यक संशोधन किया जाए।

CTET परिणाम के आधार पर निर्धारित पात्रता तिथि तक पात्र होने वाले अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया से बाहर न किया जाए।

तकनीकी अथवा आवेदन प्रक्रिया से जुड़ी समस्या के कारण आवेदन से वंचित अभ्यर्थियों को दोबारा आवेदन का अवसर दिया जाए।

अभ्यर्थियों ने सरकार और संबंधित विभाग से मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है, ताकि पात्र अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने का समान अवसर मिल सके।

नाबालिक ट्रैक्टर चालक के कारण दुकान संचालक को हुआ 25000 का नुकसान

रामानुजगंज। नगर पालिका क्षेत्र रामानुजगंज के वार्ड क्रमांक 12 में सोमवार दोपहर 12:30 बजे के लगभग एक बड़ा हादसा टल गया। एक नाबालिग युवक ट्रैक्टर को बैक करते समय अनियंत्रित हो गया और सीधे एक दुकान में जा घुसा। इस घटना से दुकान के सामने रखा हुआ लगभग 25 हजार रुपए का सामान क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि ट्रैक्टर दुकान के सामने रखे सामान से टकराते हुए अंदर जा घुसा। जिससे दुकान के बाहर रखा हुआ सामान क्षतिग्रस्त हो गया। दुकान संचालक की माने तो 25000 रूपए के लगभग का नुकसान हुआ। वहां पर उपस्थित जनों की माने तो जिस जगह पर घटना हुई है वहां कई छोटे नन्हे बच्चे हमेशा खेलते रहते हैं गनीमत था कि उस जगह पर आज बच्चे नहीं खेल रहे थे नहीं तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

मौत बनकर दौड़ रही है

खनिज संपदा से भरा ट्रैक्टर

रामानुजगंज नगरपालिका क्षेत्र के शहरी सड़कों पर बिना नंबर प्लेट के कई ट्रैक्टर वहान खनिज संपदा को लेकर बेतहाशा तेज स्पीड में चल रहे हैं लेकिन बिना नंबर प्लेट के गाड़ियों पर ना तो परिवहन विभाग ना तो यातायात विभाग और ना तो पुलिस विभाग के द्वारा आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। इनको हादसे के बाद ही कार्रवाई करने की फुर्सत मिलती है जो पूरे जनता में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गौरतलब है कि सड़क सुरक्षा सप्ताह को लेकर जिले के सांसद विधायक कलेक्टर एसपी के द्वारा कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं इसके बावजूद भी संबंधित विभाग के द्वारा आदेशों की खुलेआम अवहेना की जा रही है और अवहेलना भी क्यों ना करें क्योंकि उन पर कोई शक्ति से कार्रवाई नहीं हो रही है जिसका खामियाजा इस क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है?

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की गोली

दुर्ग । राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर जिले में 0 से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाने के अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महमरा में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत दुर्ग की स्वास्थ्य समिति सभापति सुश्री प्रिया साहू ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया। इस दौरान बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव, स्वच्छता एवं संक्रमण रोकने के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती नर्मदा ठाकुर, उपसरपंच श्री केवल निषाद सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। अभियान के तहत छूटे हुए बच्चों को 17 अगस्त 2026 को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। मुख्य अतिथि ने जिले के अभिभावकों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों से अधिक से अधिक बच्चों को अभियान से जोड़कर लक्ष्य प्राप्त करने में सहयोग की अपील की।

सरस्वती नगर प्रधानमंत्री आवास के रहवासी पहुंचे महापौर के कक्ष, बताई समस्याएं; महापौर ने तत्काल एसपी से की चर्चा

दुर्ग। सरस्वती नगर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के रहवासियों ने सोमवार को नगर पालिक निगम की महापौर अलका बाघमार से उनके कक्ष में मुलाकात कर क्षेत्र में सामने आ रही विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। रहवासियों ने विशेष रूप से क्षेत्र में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों और उससे उत्पन्न हो रही परेशानियों को लेकर अपनी चिंता महापौर के समक्ष रखी। रहवासियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास परिसर में कुछ असामाजिक तत्वों के कारण आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे लोगों की गतिविधियों से क्षेत्र में रहने वाले परिवारों, महिलाओं एवं बच्चों में असुरक्षा की भावना बनी हुई है। रहवासियों ने महापौर से मांग की कि क्षेत्र में पुलिस की निगरानी बढ़ाई जाए तथा असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि प्रधानमंत्री आवास परिसर में शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण कायम हो सके। रहवासियों की समस्या सुनने के बाद महापौर अलका बाघमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस अधीक्षक एसपी विजय अहवाल से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने एसपी से सरस्वती नगर प्रधानमंत्री आवास क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा ऐसे तत्वों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने का आग्रह किया। महापौर ने कहा कि शहर के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत रहने वाले परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा या असुरक्षा का सामना न करना पड़े।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर महापौर ने माताओं को किया सम्मानित, हेल्दी किट का किया वितरण

दुर्ग। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विवेकानंद सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कायक्रम में नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार अपने एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल,रंजीता पाटील,एवं पार्षद साथियों के साथ शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने माताओं एवं उपस्थित नागरिकों को स्तनपान के महत्व, शिशु के स्वस्थ विकास तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।महिला बाल विकास अधिकारी अनिता सिंह ने कार्यक्रम शामिल महापौर का स्वागत किया। महापौर ने कार्यक्रम में माताओं का तिलक लगाकर सम्मान किया तथा उनके स्वस्थ एवं तंदुरुस्त जीवन की कामना करते हुए हेल्दी किट का वितरण किया। उन्होंने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम, प्राकृतिक एवं संपूर्ण पोषण का महत्वपूर्ण आधार है। जीवन के शुरुआती दौर में स्तनपान शिशु के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु के पोषण का माध्यम नहीं, बल्कि मां और बच्चे के बीच मजबूत भावनात्मक जुड़ाव का आधार भी है।

स्कूटी मांगने पहुंचा दिव्यांग, जांच में मिला शराब के नशे में, विधायक रिकेश ने कहा- पहले नशा छोड़िए, फिर स्कूटी भी मिलेगी

भिलाई नगर। जरूरतमंद की मदद करना केवल उसके हाथ में सहायता का साधन थमा देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वह सहायता उसके जीवन को बेहतर बनाए। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने एक दिव्यांग युवक के मामले में इसी मानवीय सोच और संवेदनशीलता का परिचय दिया।

सुपेला निवासी एक दिव्यांग युवक अपनी जरूरत के लिए ई-स्कूटी मांगने शांति नगर स्थित विधायक कार्यालय पहुंचा था। वह सड़क से ही तेज आवाज में विधायक को पुकार रहा था। आवाज सुनकर विधायक रिकेश सेन स्वयं गेट तक पहुंचे और युवक को सम्मानपूर्वक कार्यालय के भीतर बुलाया।

बातचीत के दौरान युवक की आवाज लड़खड़ाती नजर आई और उसके व्यवहार से विधायक को उसके नशे में होने का संदेह हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए वैशाली नगर पुलिस एवं यातायात विभाग की टीम को बुलाकर ब्रेथ एनालाइजर से जांच कराई गई। जांच में युवक के शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई।

डांटा नहीं, समझायाः क्योंकि मकसद मदद करना है- विधायक रिकेश सेन ने युवक की स्थिति को समझते हुए उसे डांटने या अपमानित करने के बजाय बेहद सहज और मानवीय तरीके से समझाइश दी। उन्होंने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के दिव्यांगजनों को नियमानुसार ई-स्कूटी उपलब्ध कराने की पहल का उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार व रोजमर्रा की जरूरतों के लिए आने-जाने में सक्षम बनाना है।

उन्होंने युवक से कहा कि ई-स्कूटी उसके लिए सुविधा और स्वावलंबन का माध्यम बन सकती है, लेकिन यदि कोई व्यक्ति शराब के नशे का आदी है और उसी स्थिति में वाहन चलाता है तो यह सुविधा उसके लिए ही नहीं, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी खतरा बन सकती है।

पहले नशा छोड़िए, फिर स्कूटी भी मिलेगी- विधायक ने दिव्यांग युवक से शराब छोड़ने की अपील करते हुए उसे भरोसा दिलाया कि नशे से दूर होने के बाद उसे ई-स्कूटी सहित शासन और विधायक की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

इस पूरे घटनाक्रम में विधायक की पहल का मानवीय पक्ष भी सामने आया। उन्होंने दिव्यांग युवक की जरूरत को नजरअंदाज नहीं किया, बल्कि उसकी परिस्थिति को समझते हुए यह भी देखा कि जिस सहायता की वह मांग कर रहा है, वह उसके लिए वास्तव में सुरक्षित और उपयोगी साबित होगी या नहीं।

मदद का मतलब सिर्फसुविधा देना नहीं, जीवन को बेहतर बनाना है- विधायक रिकेश सेन की इस पहल ने यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाने तक सीमित नहीं है। जरूरतमंद व्यक्ति को सहायता के साथ सही दिशा देना भी उतना ही जरूरी है।

एक ओर दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ई-स्कूटी जैसी सुविधा उपलब्ध कराने की पहल है, वहीं दूसरी ओर नशे की स्थिति में वाहन चलाने से होने वाले संभावित हादसे को रोकने की संवेदनशील कोशिश भी।

युवक को तत्काल ई-स्कूटी देने के बजाय पहले उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करना शायद कठोर निर्णय दिखाई दे, लेकिन इसके पीछे सहायता से अधिक उसके जीवन की सुरक्षा की चिंता दिखाई दी।

अमलेश्वर में मूलभूत सुविधाओं को लेकर पार्षदों ने नगर पालिका को सौंपा ज्ञापन, 3 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर धरना-घेराव की चेतावनी

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पार्षदों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि 4 जून 2026 को आयोजित सामान्य सभा में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर 2 से 3 दिनों में जवाब देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक कोई जवाब उपलब्ध नहीं कराया गया है। ज्ञापन में वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 की आय-व्यय की जानकारी, अवैध प्लॉटिंग एवं अवैध अतिक्रमण का विवरण, बिजली खंभों में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था एवं सुधार, शासकीय मोटर पंपों में नलों की मरम्मत, अमलेश्वर पुल से सांकरा पहुंच मार्ग की स्ट्रीट लाइट चालू करने, विभिन्न कॉलोनियों में बारिश के पानी से होने वाले जलभराव की समस्या का समाधान तथा मुख्य मार्गों से मवेशियों को हटाने जैसी मांगें प्रमुख रूप से शामिल हैं। पार्षदों ने वर्ष 2026-27 का अनुमानित बजट प्रस्तुत करने की मांग भी की है। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि 3 दिनों के भीतर इन मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो नगर पालिका परिषद अमलेश्वर कार्यालय का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन एवं शासन की होगी। ज्ञापन की प्रतिलिपि कलेक्टर दुर्ग, पुलिस अधीक्षक दुर्ग, अनुविभागीय अधिकारी पाटन तथा थाना प्रभारी अमलेश्वर को भी प्रेषित की गई है। ज्ञापन पर पार्षद घनश्याम प्रसाद साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के हस्ताक्षर हैं। मौके पर ओमप्रकाश साहू उपाध्यक्ष, दीपक घिड़ोड़े नेता प्रतिपक्ष, घनश्याम वर्मा उप नेता प्रतिपक्ष, पार्षद हेमलाल साहू, डोमेन यादव, भेज लाल सोनकर, मंडल अध्यक्ष महेंद्र साहू, सेक्टर अध्यक्ष विकास वर्मा, कांग्रेस नेता धर्मेन्द्र साहू, पार्षद प्रतिनिधि टीकम निषाद, राजा चंद्राकर, ओंकार घिड़ोड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधी और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहे।

भिलाई श्रमिक सभा (HMS) का आम चुनाव संपन्न, एचएस मिश्रा अध्यक्ष और डीके सिंह महासचिव निर्वाचित

भिलाई। भिलाई श्रमिक सभा (HMS) यूनियन का आम चुनाव मंगलवार, 11 अगस्त 2026 को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंडियन कॉफी हाउस, सुपेला के सभागार में संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया सुबह 10:30 बजे शुरू हुई। पंजीयक व्यवसायिक संघ के दिशा-निर्देशों के तहत चुनाव को निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए सहायक श्रमायुक्त दुर्ग पायल शर्मा मौजूद रहीं। उनके सहयोगी के रूप में श्री पाल और श्री वसंत वर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रमोद कुमार मिश्र ने किया। चुनाव अधिकारी का स्वागत एचएस मिश्रा ने किया, जबकि श्री पाल का स्वागत प्रमोद कुमार मिश्र और श्री वसंत वर्मा का स्वागत डीके सिंह ने किया।

एचएस मिश्रा बने यूनियन के अध्यक्ष- चुनाव अधिकारी से अनुमति मिलने के बाद प्रमोद कुमार मिश्र ने चुनाव प्रक्रिया शुरू कराई। सबसे पहले आम सभा की अध्यक्षता के लिए नाम प्रस्तावित किए गए। डीके सिंह ने छत्तीसगढ़ के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष एचएस मिश्रा के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका सदन ने करतल ध्वनि से समर्थन किया। इसके बाद प्रेम सिंह चंदेल ने एचएस मिश्रा का स्वागत किया।

इसके बाद यूनियन के सम्मानित सदस्यों के नाम सदन के सामने रखे गए। अध्यक्ष पद के लिए डीके सिंह ने एचएस मिश्रा के नाम का प्रस्ताव रखा। हरिराम यादव और टीकाराम साहू ने इसका समर्थन किया। सदन के सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर प्रस्ताव का समर्थन किया।

अध्यक्ष पद के लिए अन्य किसी नाम का प्रस्ताव नहीं आने पर चुनाव अधिकारी ने एचएस मिश्रा को भिलाई श्रमिक सभा का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। इस घोषणा के बाद सदस्यों ने करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया।

डीके सिंह बने महासचिव- इसके बाद महासचिव पद के लिए नाम मांगे गए। जेके गहिने ने महासचिव पद के लिए डीके सिंह का नाम प्रस्तावित किया। धनीराम सोनवानी और राजेश शर्मा ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

महासचिव पद के लिए अन्य कोई नाम सामने नहीं आने पर चुनाव अधिकारी ने डीके सिंह को महासचिव निर्वाचित घोषित किया। सदन ने करतल ध्वनि से इसका स्वागत किया।

शेष पदाधिकारियों के चयन की जिम्मेदारी अध्यक्ष और महासचिव को- चुनाव प्रक्रिया के दौरान विनोद कुमार ने प्रस्ताव रखा कि यूनियन के शेष पदाधिकारियों के चयन की जिम्मेदारी नवनिर्वाचित अध्यक्ष और महासचिव को दी जाए। सदन ने हाथ उठाकर इस प्रस्ताव का समर्थन किया।

इसके बाद एचएस मिश्रा और डीके सिंह ने चुनाव अधिकारी से पदाधिकारियों के चयन के लिए आधे घंटे का समय मांगा। चुनाव अधिकारी की अनुमति मिलने के बाद दोनों ने विचार-विमर्श किया और आधे घंटे बाद पदाधिकारियों की सूची चुनाव अधिकारी को सौंप दी।

महासचिव डीके सिंह ने सभी पदाधिकारियों के नाम सदन के सामने पढ़कर सुनाए। सदस्यों ने करतल ध्वनि से सूची का समर्थन किया।

अध्यक्ष ने श्रमिकों के मुद्दों को मजबूत करने का दिया भरोसा- नवनिर्वाचित अध्यक्ष एचएस मिश्रा ने आम सभा को संबोधित किया। उन्होंने प्रदेश में ठेका श्रमिकों की स्थिति पर चर्चा करते हुए श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र में भी यूनियन को और मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के हितों और अधिकारों के लिए यूनियन को मजबूती के साथ काम करना होगा तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाया जाएगा।

महासचिव ने यूनियन को मजबूत करने का दिया आश्वासन- कार्यक्रम के अंत में नवनिर्वाचित महासचिव डीके सिंह ने सदन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सदस्यों को भरोसा दिलाया कि यूनियन को मजबूत करने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, उन्हें संगठन की ओर से उठाया जाएगा।

आम सभा में एचएस मिश्रा, प्रेम सिंह चंदेल, जी जोगेंद्र राव, हरिराम यादव, डीके सिंह, अशोक पंडा, जेके गहिने, एमके जगदाले, आदित्य माथुर, वीके पांडे, वीके सिंह, देशराज प्रसाद, त्रिलोक मिश्रा, एनके सिंह, अनिल कुमार जैन, राजेश शर्मा, नितेंद्र देशलहरे, विनोद कुमार, रघुवर गोंड, डीआर सोनवानी, टीकाराम साहू, विष्णु कुमार पटेल, नरेंद्र कुमार पटेल, कृष्ण बलराम यादव, दशरथ लाल पटेल, एससी रथ, ए चित्रा, मिथिलेश सिंह, नितेश्वर ध्रुव, मनोज कुमार दास, पीके सौदागर, सूरज कुमार, दुर्गेश सोनवाने, एके मिश्रा, महफूज अहमद, अनु कुमार, शेषनाथ सिंह, सावित्री मिश्रा, बृजेश चौधरी, अभय पुरानिक, जेएस भट्ठी, गुरदेव सिंह, राम विशाल कुंवर सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, बीपी यादव, गुलाबचंद सोनी, इकबाल सिंह, पंकज शर्मा, मुकुंद पांडे, गोविंद सिंह, नेपाल सिंह, अभय कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में सक्रिय सदस्य मौजूद रहे। भूतपूर्व सहायक श्रम आयुक्त संजय सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com